हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

RNI NO - CTHIN/25/A0716

मूक पत्रिका

निष्पक्ष, निर्भीक, स्वतंत्र आवाज...

वर्ष - 02 अंक - 214 बेमेतरा, रविवार 29 मार्च 2026 रायपुर एवं बेमेतरा से प्रकाशित कुल पेज - 08 मूल्य - 5 रूपये डाक पंजीयन- दुर्ग/1743290201/2025-27

संक्षिप्त समाचार

सऊदी के क्राउन प्रिंस और पीएम मोदी के बीच बात

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और सऊदी अरब के क्राउन प्रिंस मोहम्मद बिन सलमान के बीच पश्चिम एशिया संकट को लेकर हुई यह बातचीत क्षेत्र में शांति और स्थिरता स्थापित करने की दिशा में एक सकारात्मक कदम माना जा रहा है। भारत इस क्षेत्र में शांति बनाए रखने के लिए सक्रिय रूप से कूटनीतिक भूमिका निभा रहा है। पश्चिम एशिया में तनाव बढ़ने से दुनिया भर में ऊर्जा संकट गहराता जा रहा है। पश्चिम एशिया संकट में गहराते संकट के बीच प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने आज सऊदी अरब के क्राउन प्रिंस सह प्रधानमंत्री प्रिंस मोहम्मद बिन सलमान से बात की।

देश में ईंधन की कोई कमी नहीं, पर्याप्त भंडार

नई दिल्ली। पश्चिम एशिया में बढ़ते भू-राजनीतिक तनाव और तेल आपूर्ति को लेकर उठ रही आशंकाओं के बीच हिंदुस्तान पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन लिमिटेड ने देश में ईंधन की उपलब्धता को लेकर बड़ा बयान जारी किया है। कंपनी ने स्पष्ट किया है कि भारत की ऊर्जा आपूर्ति पूरी तरह सुरक्षित और स्थिर है तथा देशभर में पेट्रोल, डीजल और एलपीजी की कोई कमी नहीं है। एचपीसीएल ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर कहा कि भारत की ऊर्जा आपूर्ति सुरक्षित और स्थिर है।

शहरों में पीएनजी का विस्तार मिशन मोड में करने पर जोर

नई दिल्ली । शहरी विकास और ऊर्जा क्षेत्र को गति देने के उद्देश्य से केंद्र सरकार ने पाइप्ड नेचुरल गैस नेटवर्क के विस्तार को प्राथमिकता देने पर जोर दिया है। केंद्रीय मंत्री मनोहर लाल ने शनिवार को एक समीक्षा बैठक में सिंगल-विंडो अप्रूवल की व्यवस्था को संस्थागत बनाने, शहरी योजना में पीएनजी इंफ्रास्ट्रक्चर को शामिल करने, अंतिम छोर तक कनेक्टिविटी सुनिश्चित करने और मौजूदा शहरी विकास योजनाओं के साथ समन्वय बढ़ाने जैसे अहम बिंदुओं पर जोर दिया। बैठक में उन्होंने कहा कि शहर आर्थिक विकास के प्रमुख इंजन हैं और पीएनजी नेटवर्क के विस्तार को तेज करने के लिए मिशन मोड में काम करने की जरूरत है।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने किया जेवर एयरपोर्ट का उद्घाटन

यूपी अब सबसे अधिक अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट वाले राज्यों में से एक: मोदी

नोएडा (ए)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शनिवार को नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट का लोकार्पण किया। इस एयरपोर्ट की नींव 25 नवंबर 2021 को प्रधानमंत्री ने ही रखी थी। लोकार्पण के बाद जनसभा को संबोधित करते हुए पीएम मोदी ने कहा, युवाओं को पता है कि यह जो काम हो रहा है, यह नौजवानों के भविष्य को नई उड़ान देने वाला काम है। आज हम विकसित यूपी, विकसित भारत अभियान का एक नया अध्याय शुरू कर रहे हैं।

पीएम मोदी ने अपनी प्रसन्नता के बताए दो कारण- प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने आगे कहा, देश का सबसे बड़ा प्रदेश आज सबसे अधिक अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट वाले राज्यों में से एक बन गया है। आज मेरे लिए गर्व और प्रसन्नता के दो कारण हैं। जिसमें पहला, इस एयरपोर्ट का शिलान्यास करने का सौभाग्य भी मुझे मिला था और इसका उद्घाटन करने का सौभाग्य भी मुझे मिला है। दूसरा, जिस उत्तर प्रदेश ने मुझे प्रतिनिधि बनाया, सांसद बनाया, उस उत्तर प्रदेश की पहचान के साथ इस भव्य एयरपोर्ट का नाम भी जुड़ गया है।

संकट के समय में भी भारत ने तेज विकास निरंतर जारी रखा- पीएम मोदी ने कहा, आज पूरा विश्व चिंतित है, पश्चिम एशिया में एक महीने से युद्ध चल रहा है। युद्ध की वजह से कई देशों में खाने-पीने का सामान, पेट्रोल, डीजल, गैस, खाद जैसी कई जरूरी चीजों का चारों तरफ

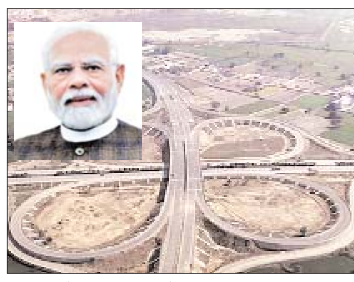

संकट पैदा हो गया है। हर देश इस संकट का सामना करने की कोशिश कर रहा है, और हमारा भारत भी पूरी शक्ति से इसका मुकाबला कर रहा है। देशवासियों की ताकत के भरोसे कर रहा है। भारत बड़ी मात्रा में कच्चा तेल और गैस युद्ध-प्रभावित क्षेत्रों से मंगाता है। इसलिए सरकार हर वह कदम उठा रही है, जिससे सामान्य परिवारों और हमारे किसान भाई-बहनों पर बोझ न पड़े। संकट के इस समय में भी भारत ने अपने तेज विकास को निरंतर जारी रखा है।

पीएम ने सपा और कांग्रेस पर बोला हमला- पीएम मोदी ने कांग्रेस और सपा पर हमला बोलते हुए कहा, 2004 से 2014 तक, यह हवाई अड्डा फाइलों में दबा रहा। फिर सपा सरकार ने काम को आगे नहीं बढ़ने दिया। लेकिन जैसे ही यहां भाजपा सरकार बनी, नींव रखी गई और अब हवाई अड्डा चालू है।

नोएडा एयरपोर्ट पर क्या-क्या सुविधाएं मिलेंगी?

- नो क्यू चेक-इन यान चेक-इन के लिए लाइन नहीं होगी
- सेल्फ बैगेज ड्रॉप और 'डिजी यात्रा' की सुविधा होगी
- स्लीप पॉड्स होंगे यानी जहां पर आप 500-800 रुपये प्रति घंटे में एसी, वाई-फाई और चार्जिंग से लैस छोटे केबिन ले सकते हैं।

सस्ते खाने से लेकर फ्री रिलैक्शेशन जोन तक

- यहां पर आपको सस्ता फूड कोर्ट भी मिलेगा, यात्रियों के लिए आराम करने के लिए पेड़ों की
- छांव वाला मुफ्त और प्राकृतिक ओपन एरिया है जिसे फ्री रिलैक्सेशन जोन नाम दिया गया है
- 5जी नेटवर्क और स्मार्ट चार्जिंग
- पूरा एयरपोर्ट हाई-स्पीड 5जी जोन होगा। हर दूसरी कुर्सी के पास यूनिवर्सल चार्जिंग और USB टाइप-C पोर्ट्स की सुविधा उपलब्ध होगी

पश्चिम एशिया की परिस्थितियों पर मुख्यमंत्री की उच्चस्तरीय समीक्षा: वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से कमिश्नर, आईजी और कलेक्टरों को दिए निर्देश

आवश्यक वस्तुओं की कालाबाजारी करने वालों पर कड़ी करवाई होगी: सीएम साय

पेट्रोलियम, गैस और उर्वरक की पर्याप्त उपलब्धता-अफवाहों से दूर रहने की अपील

आमजनों की सुविधा के लिए बनाया गया है राज्य स्तरीय कंट्रोल रूम: 1800-233-3663 पर कॉल कर ले सकते है सही जानकारी

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने पश्चिम एशिया में उत्पन्न परिस्थितियों के मद्देनज़र आज राजधानी रायपुर स्थित मुख्यमंत्री निवास कार्यालय में वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से प्रदेश के सभी संभागायुक्तों, पुलिस महानिरीक्षकों, कलेक्टरों एवं पुलिस अधीक्षकों के साथ एक उच्चस्तरीय समीक्षा बैठक की। बैठक में पेट्रोलियम उत्पादों, एलपीजी गैस, उर्वरकों और अन्य आवश्यक वस्तुओं की उपलब्धता एवं आपूर्ति व्यवस्था की व्यापक समीक्षा करते हुए अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि हमारे प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी की दूरदृष्टि और संवेदनशील नेतृत्व के कारण कोविड जैसी चुनौतीपूर्ण स्थिति में भी देश एकजुट रहा और सफलतापूर्वक उसका सामना किया। उन्होंने स्पष्ट किया कि वर्तमान में कोविड जैसी स्थिति नहीं है, लेकिन सतर्क रहना आवश्यक है। प्रदेश में पेट्रोलियम पदार्थों, गैस सिलेंडरों और उर्वरकों की कोई कमी नहीं है, अतः नागरिक किसी भी प्रकार की अफवाहों पर ध्यान न दें।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी द्वारा पश्चिम एशिया संकट पर सभी राज्यों के साथ विस्तृत चर्चा की गई है और यह आश्वस्त किया गया है कि आवश्यक वस्तुओं की आपूर्ति सुचारू रूप से जारी है। राज्य स्तर पर कंट्रोल रूम की स्थापना की गई है तथा उच्च स्तरीय समिति द्वारा स्थिति की सतत निगरानी की जा रही है। उन्होंने निर्देश दिए कि प्रत्येक जिले में भी कंट्रोल रूम स्थापित किया जाए तथा प्रभारी सचिव और कलेक्टर नियमित समीक्षा करें। अफवाहों और भ्रामक खबरों से बचने के लिए आमजन तक समय पर तथ्यात्मक जानकारी पहुंचाना सुनिश्चित किया जाए। मुख्यमंत्री श्री साय ने स्पष्ट निर्देश दिए कि आवश्यक वस्तुओं की कालाबाजारी या जमाखोरी करने वालों पर कड़ी कार्रवाई की जाए। सभी पेट्रोल पंपों और गैस एजेंसियों के भंडारण एवं आपूर्ति की नियमित मॉनिटरिंग सुनिश्चित की जाए।

उर्वरकों की पर्याप्त उपलब्धता, किसानों को समय पर मिलेगा खाद

वीडियो कांफ्रेंस के दौरान अधिकारियों ने बताया कि प्रदेश में उर्वरकों की कोई कमी नहीं है। मुख्यमंत्री ने निर्देश दिए कि उर्वरकों की होल्डिंग पर रोक लगाई जाए और दैनिक स्टॉक की नियमित समीक्षा की जाए। सभी किसानों को उनकी आवश्यकता के अनुसार समान रूप से उर्वरक उपलब्ध कराया जाए।साथ ही खाद वितरण प्रणाली को और अधिक पारदर्शी एवं प्रभावी बनाने के लिए सॉफ्टवेयर आधारित मॉनिटरिंग की जानकारी भी साझा की गई।

महत्वपूर्ण संस्थानों में गैस आपूर्ति सुनिश्चित करने के निर्देश

मुख्यमंत्री श्री साय ने अस्पतालों, छात्रावासों, शैक्षणिक संस्थानों, रेलवे, भारत सरकार की संस्थाओं, सैन्य एवं अर्धसैनिक बलों, समाज कल्याण विभाग द्वारा संचालित संस्थानों और एयरपोर्ट कैंटीनों में गैस आपूर्ति निर्बाध बनाए रखने के निर्देश दिए।

राज्यभर में सतत कार्रवाई—3841 सिलेंडर जब्त, 97 एफआईआर दर्ज

बैठक में जानकारी दी गई कि प्रदेशभर में 335 स्थलों पर छापेमारी की गई, जिसमें कालाबाजारी की कोई पुष्टि नहीं हुई। हालांकि जमाखोरी की सूचना पर कार्रवाई करते हुए 3841 गैस सिलेंडरों को जब्त किया गया तथा 97 एफआईआर दर्ज की गई हैं। मुख्यमंत्री श्री साय ने सीमावर्ती चेक पोस्टों पर विशेष सतर्कता बरतने के निर्देश दिए। गैस सिलेंडरों एवं पेट्रोल-डीजल वाहनों की आवाजाही पर निगरानी रखने के साथ ही निर्देश दिए गए कि पेट्रोल-डीजल को कंटेनरों में आम जनता को उपलब्ध न कराया जाए। केवल अधिकृत मोबाइल टावर एवं जेनसेट संचालित आवश्यक प्रतिष्ठानों को ही कंटेनर में ईंधन उपलब्ध कराया जाए।

पश्चिम बंगाल में सियासी घमासान

बीजेपी ने जारी की ममता सरकार की चार्जशीट जवाब में टीएमसी का आरोप-पत्र से पलटवार

कोलकाता। पश्चिम बंगाल में आगामी विधानसभा चुनाव के चलते आरोप-प्रत्यारोप का दौर तेज हो गया है। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने शनिवार को पश्चिम बंगाल सरकार के खिलाफ आरोप-पत्र जारी किया। अब इस पर तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) ने पलटवार करते हुए भाजपा के खिलाफ चार्जशीट जारी की है। तृणमूल कांग्रेस ने न केवल भाजपा-शासित राज्यों में महिला सुरक्षा पर सवाल उठाए, बल्कि मणिपुर में जातीय हिंसा और बंगाल में डिटेंशन कैंप मॉडल लागू करने की भाजपा की कथित मंशा पर भी तीखा हमला बोला। टीएमसी के इस आरोप-पत्र का नाम मोटा भाई-जवाब चाई रखा है।

मणिपुर तीन साल से खून से लथपथ: टीएमसी-टीएमसी सांसद महुआ मोइत्रा ने मणिपुर में हुई जातीय हिंसा पर अमित शाह से जवाब मांगा। उन्होंने कहा कि यह पूर्वोत्तर राज्य पिछले तीन वर्षों से खून से लथपथ है। उन्होंने आगे कहा कि भाजपा बंगाली और बांग्लादेशियों के बीच की लकीर को धुंधला करना चाहती है, ताकि वह असम की तर्ज पर बनाए गए अपने नफरत भरे डिटेंशन कैंप मॉडल को बंगाल में भी लागू कर सके। महुआ मोइत्रा ने अमित शाह की पश्चिम बंगाल सरकार के खिलाफ चार्जशीट पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा, आपने हर बंगाली को अपराधी घोषित कर दिया है। आप इसे चार चरणों में करते हैं- पहले आप हमारा अपमान करते हैं, फिर आप हमें वंचित करते हैं, फिर आप हमें अपराधी बनाते हैं, और फिर आप हमें परेशान करते हैं।

ईडी पर भी खड़े किए सवाल- मोइत्रा ने यह भी आरोप लगाया कि प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) गृह मंत्री के अधीन काम करता है। उन्होंने बताया कि ईडी ने लगभग 6,000 मामले दर्ज किए हैं, जिनमें से 98% विपक्षी नेताओं के खिलाफ हैं। उन्होंने कहा कि केवल 25 लोगों को दोषी ठहराया गया है, जो 0.42% की दर है। टीएमसी सांसद ने बंगाली लोगों के गौरव का मुद्दा उठाते हुए कहा, बंगाली एक बहुत गौरवान्वित जाति है। हमने अंग्रेजों के खिलाफ स्वतंत्रता संग्राम का नेतृत्व किया। गुजराती कौन थे? काला पानी में मारे गए और कैद किए गए लोगों के नामों में 68% बंगाली थे, उसके बाद पंजाबी थे। क्या आप मुझे वहां मौजूद किसी भी गुजराती का नाम बता सकते हैं, सिवाय आपके बड़े नायक वीर सावरकर के, जो केवल बैठकर माफी पत्र लिखना चाहते थे?

केरल में चुनाव से पहले सियासी संग्राम तेज

तिरुवनंतपुरम। केरल की राजनीति में नया विवाद खड़ा हो गया है। संघ परिवार से जुड़े नेता आरवी बाबू ने यूडीएफ चेयरमैन वीडी सतीशन पर गंभीर आरोप लगाए हैं। उन्होंने दावा किया कि सतीशन ने 2001 और 2006 के विधानसभा चुनाव जीतने के लिए आरएसएस से समर्थन मांगा था। इस आरोप के बाद राज्य की राजनीति में हलचल तेज हो गई है। सतीशन ने इन आरोपों को सिरे से खारिज कर दिया है। उन्होंने कहा कि उन्होंने कभी आरएसएस या भाजपा से वोट नहीं मांगे।

मतदान केंद्रों पर बायोमेट्रिक प्रणाली लगाने की मांग, सुप्रीम कोर्ट में पीआईएल दायर

नई दिल्ली (ए)। चुनावी प्रक्रिया में धांधली को रोकने के उद्देश्य से सुप्रीम कोर्ट में एक जनहित याचिका दायर की गई है। इस याचिका में दोहरी वोटिंग, पहचान बदलकर वोट डालने और फर्जी मतदाताओं द्वारा वोट डालने के मामलों का जिक्र किया गया है। याचिकाकर्ता ने आगामी विधानसभा चुनावों में मतदान केंद्रों पर फिंगरप्रिंट और आइरिस बायोमेट्रिक पहचान प्रणाली लागू करने के लिए चुनाव आयोग को निर्देश देने की मांग की है। यह जनहित याचिका अधिवक्ता अश्विनी कुमार उपाध्याय द्वारा दायर की गई है। संविधान के अनुच्छेद 32 का हवाला देते हुए याचिका में मौजूदा सुरक्षा उपायों के बावजूद रिश्वतखोरी, अनुचित प्रभाव, पहचान छिपाकर वोट डालना, दोहरी वोटिंग और फर्जी वोटिंग की निरंतर घटनाओं पर चिंता जताई गई है। याचिकाकर्ता ने शीर्ष अदालत से आग्रह किया है कि वह चुनाव आयोग को विशेष रूप से आगामी विधानसभा चुनावों में मतदान केंद्रों पर फिंगरप्रिंट और आइरिस-आधारित बायोमेट्रिक प्रमाणीकरण शुरू करने का निर्देश दे। इसका उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि केवल वास्तविक मतदाता ही वोट डाल सकें और एक नागरिक, एक वोट के सिद्धांत का कड़ाई से पालन हो।

मौजूदा मतदाता पहचान प्रणाली की कमियां

याचिका में तर्क दिया गया है कि वर्तमान मतदाता पहचान विधियां, जो काफी हद तक मतदाता पहचान पत्र और मैन्युअल सत्यापन पर आधारित हैं, पुरानी तस्वीरों, लिपिकीय त्रुटियों और वास्तविक समय सत्यापन की कमी के कारण दुरुपयोग की संभावनाओं से ग्रस्त हैं।

चुनाव आयोग की शक्तियां और संवैधानिक दायित्व

स्वतंत्र और निष्पक्ष चुनावों के संवैधानिक जनादेश पर प्रकाश डालते हुए याचिका में कहा गया है कि चुनाव आयोग के पास अनुच्छेद 324 के तहत ऐसी तकनीकी उपाय शुरू करने की पूर्ण शक्तियां हैं और वह मतदाता पहचान को मजबूत करने के लिए प्रासंगिक नियमों में संशोधन कर सकता है।

मंत्रियों के अनौपचारिक समूह के साथ रक्षा मंत्री की बैठक

पश्चिम एशिया के हालात पर चर्चा

नई दिल्ली (ए)। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह शनिवार को पश्चिम एशिया संकट पर मंत्रियों के अनौपचारिक समूह की पहली बैठक की अध्यक्षता कर रहे हैं।

यह बैठक ऐसे समय में हो रही है, जब केंद्र सरकार इस संघर्ष को लेकर कई बैठकें कर चुकी है और लोगों को यह भरोसा दिला रही है कि ईंधन की कोई कमी नहीं है। विदेश मंत्रालय हालात पर कड़ी नजर बनाए हुए है और पश्चिम एशिया में मौजूद भारतीय नागरिकों को हरसंभव मदद देने की कोशिश कर रहा है। इससे पहले, शुक्रवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के मुख्यमंत्रियों और उपराज्यपालों के साथ डिजिटल माध्यम से बैठक की थी।

भाजपा ने प्रचार में झोंकी ताकत, असम दौरे पर अमित शाह ने रोड शो कर किया प्रचार

गुवाहाटी। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने शनिवार को असम विधानसभा चुनाव 2026 के मद्देनजर गुवाहाटी में रोड शो किया। असम चुनाव में भाजपा ने कई बड़े चेहरों के साथ पूरी ताकत झोंक दी है। अमित शाह के साथ भाजपा के प्रचार वाहन पर पार्टी के नेता प्रद्युत बोरदोलोई भी साथ दिखे। गौरतलब है कि असम विधानसभा चुनाव 2026 से पहले ही प्रद्युत बोरदोलोई ने कांग्रेस का हाथ छोड़कर भाजपा

का दामन थाम लिया था। असम चुनाव से पहले दोनों ही दलों में बागियों का बोलबाला रहा है।

प्रद्युत बोरदोलोई ने कांग्रेस पर साधा निशाना- रोड शो से पहले असम से दो बार के सांसद प्रद्युत बोरदोलोई ने कांग्रेस पर जमकर हमला बोला है। उन्होंने अपनी पुरानी पार्टी पर बेहद गंभीर आरोप लगाए हैं। उनका कहना है कि पार्टी के भीतर उन्हें लगातार अपमानित किया जा रहा था और उनके आत्मसम्मान को ठेस पहुंचाई जा रही थी। बता दें कि पांच दशकों तक कांग्रेस से जुड़े रहे बोरदोलोई अब भाजपा के टिकट पर दिसपुर विधानसभा सीट से चुनाव लड़ रहे हैं।

राजधानी के शहर चौक-चौराहों का बदलेगा नाम

रायपुर। रायपुर नगर निगम ने शहर के ऐतिहासिक चौकों और प्रमुख मार्गों के नाम बदलने का प्रस्ताव तैयार किया है। इस प्रस्ताव के तहत अंग्रेजों के समय के प्रसिद्ध सिटी कोतवाली चौक का नाम बदलकर जैन स्तंभ चौक किया जाएगा। यह प्रस्ताव मेयर-इन-काउंसिल में पारित हो चुका है और अंतिम स्वीकृति के लिए सोमवार को होने वाली सामान्य सभा में रखा जाएगा। निगम प्रशासन का कहना है कि शहर में जैन समाज की बड़ी उपस्थिति और चौक पर पहले से मौजूद जैन स्तंभ को देखते हुए यह नाम परिवर्तन किया जा रहा है। इसके अलावा अन्य स्थानों के नाम बलिदानियों और सेनानियों के नाम पर रखने से शहर की ऐतिहासिक और सांस्कृतिक पहचान को नई दिशा मिलेगी। निगम द्वारा शहर के विभिन्न स्थानों पर शहीदों और वीरों की प्रतिमाएं भी स्थापित की जाएंगी। लाखे नगर चौक पर सुकमा में शहीद हुए एएसपी आकाश राव गिरेपुंजे की प्रतिमा लगेगी। साइंस कॉलेज गार्डन में मेजर यशवंत गोविंद गोरे की प्रतिमा स्थापित की जाएगी। वहीं शंकर नगर में मेजर सत्य प्रदीप दत्ता की प्रतिमा उद्यान में लगाई जाएगी। आयुर्वेदिक कॉलेज गेट पर वीर सावरकर की प्रतिमा स्थापित करने की योजना है। शहर के कई प्रमुख मार्गों के नाम भी बदले जाएंगे। देवेंद्र नगर चौक से पंडरी कपड़ा मार्केट तक जाने वाली सड़क को अयोध्या प्रसाद जैन मार्ग नाम दिया जाएगा।

श्रमिक सम्मेलन: सीएम साय ने 79 हजार से अधिक श्रमिकों के खातों में 27.15 करोड़ रुपये किए ट्रांसफर

मेहनतकशों का सशक्तिकरण ही है विकसित छत्तीसगढ़ की नींव

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने जशपुर में आयोजित जिला स्तरीय श्रमिक सम्मेलन में 79,340 निर्माण श्रमिकों और उनके परिजनों को 27.15 करोड़ रुपए की राशि प्रत्यक्ष लाभ हस्तांतरण के माध्यम से सीधे उनके बैंक खातों में अंतरित की।

कार्यक्रम की अध्यक्षता प्रदेश के श्रम मंत्री लखनलाल देवांगन ने की। इस अवसर पर छत्तीसगढ़ भवन एवं अन्य सन्निर्माण कर्मकार कल्याण मंडल के अध्यक्ष डॉ. रामप्रताप सिंह सहित अन्य जनप्रतिनिधि उपस्थित थे। मुख्यमंत्री साय ने सम्मेलन को संबोधित करते हुए कहा कि पश्चिम

एशिया में चल रहे युद्ध के बावजूद छत्तीसगढ़ में पेट्रोल, डीज़ल और एलपीजी गैस की उपलब्धता को लेकर किसी भी प्रकार की चिंता करने की आवश्यकता नहीं है। उन्होंने स्पष्ट किया कि भारत अपनी ईंधन आवश्यकताओं के लिए आयात पर निर्भर है, लेकिन केंद्र सरकार की प्रभावी विदेश नीति और विभिन्न देशों के साथ मजबूत संबंधों के कारण आपूर्ति पर कोई नकारात्मक प्रभाव नहीं पड़ेगा। मुख्यमंत्री साय ने कहा कि वर्तमान परिस्थितियों में कुछ असामाजिक तत्वों द्वारा सोशल मीडिया पर भ्रामक खबरें और अफवाहें फैलाई जा रही हैं, जिससे लोगों में अनावश्यक भय और भ्रम का वातावरण बन रहा है।

उन्होंने प्रदेशवासियों से अपील की कि वे ऐसी अफवाहों पर ध्यान न दें और पेट्रोल, डीज़ल या गैस का अनावश्यक भंडारण न करें। उन्होंने भरोसा दिलाया कि जैसे पहले ईंधन की उपलब्धता बनी रही है, वैसे ही आगे भी निर्बाध रूप से मिलती रहेगी। कार्यक्रम के दौरान मुख्यमंत्री साय ने श्रमिकों के कल्याण के लिए राज्य और केंद्र सरकार द्वारा संचालित 12 विभिन्न योजनाओं का विस्तार से उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि पंजीकृत श्रमिकों को बच्चे के जन्म पर 20,000 रुपए की सहायता राशि दी जाती है। इसके अलावा मकान निर्माण के लिए 1.5 लाख रुपए तक की आर्थिक सहायता प्रदान की जा रही है।

श्रमिकों को स्वरोजगार से जोड़ने के लिए ई-रिक्शा खरीदने में भी सहायता दी जा रही है, जिसे पहले 1 लाख रुपए से बढ़ाकर 1.5 लाख रुपए कर दिया गया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि शिक्षा के क्षेत्र में भी सरकार ने महत्वपूर्ण पहल की है।

कलार समाज की सद्भावना यात्रा में गूंजा देव संस्कृति स्थापना का संदेश, 29 मार्च को होगा समापन

बेमेतरा/मूक पत्रिका

चैत्र नवरात्रि के पावन अवसर पर जहां पूरा छत्तीसगढ़ मातृ शक्ति की आराधना में लीन रहा, वहीं कलार समाज द्वारा सामाजिक एकता और सांस्कृतिक जागरूकता को लेकर 11 दिवसीय सद्भावना यात्रा का आयोजन किया गया। जिला अध्यक्ष बिरेंद्र जयसवाल के नेतृत्व में निकली इस यात्रा ने जिले के 95 ग्रामों का भ्रमण करते हुए ग्राम हसदा पहुंचकर समाज को एकजुटता का संदेश दिया। यात्रा का मुख्य उद्देश्य समाज की संस्कृति और परंपराओं को आध्यात्मिक स्वरूप प्रदान करते हुए सामाजिक संगठन को मजबूत करना रहा। ग्राम हसदा पहुंचने पर समाज के लोगों ने यात्रा का उत्साहपूर्वक स्वागत किया। आतिशबाजी, मिठाई वितरण और आपसी मिलन के माध्यम से सामाजिक सद्भाव का परिचय दिया गया। इसके बाद यात्रा दल ने स्वयंभू मां महामाया के दरबार में पहुंचकर आयोजित श्री शतचंडी महायज्ञ की परिक्रमा की, जिसमें बड़ी संख्या में सामाजिक पदाधिकारी और स्थानीय नागरिक शामिल हुए। यात्रा के समापन पश्चात आयोजित विशेष बैठक में सामाजिक समरसता को बढ़ावा देने, सामाजिक कार्यक्रमों में अनावश्यक खर्चों को कम करने तथा पाश्चात्य संस्कृति के बढ़ते प्रभाव पर रोक लगाने जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर गंभीर चर्चा की गई।

बैठक में जिला अध्यक्ष बिरेंद्र जयसवाल, प्रदेश उपाध्यक्ष युवा मंच देवलाल सिंहा, मंडलेश्वर डॉ. ईश्वर सिंहा, सचिव कामता सिंहा, जनपद सदस्य रेखा पोषण सिंहा सहित अनेक सामाजिक पदाधिकारी और गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

यह सद्भावना यात्रा 29 मार्च को जिला मुख्यालय स्थित मां भद्रकाली मंदिर में पूजा-अर्चना के साथ संपन्न होगी। समापन कार्यक्रम में प्रदेश अध्यक्ष युवराज सिंहा सहित प्रदेश स्तरीय पदाधिकारी शामिल होंगे, जिसमें जिले भर से बड़ी संख्या में समाज के लोग उपस्थित रहेंगे।

बर्ड फ्लू बीमारी का अलर्ट जारी, मुर्गा मुर्गी खाने से करें परहेज, बीमारी रोकने पशुधन विभाग ने की नाकाबंदी

जांच के लिए सभी बॉर्डर क्षेत्र में पशु चिकित्सा क्षेत्र अधिकारी की लगाई गई ड्यूटी

पोल्ट्री फार्म के वर्कर को मास्क अनिवार्य रूप से लगाना चाहिए

बर्ड फ्लू है लाइलाज बीमारी, अलग जीव और मनुष्य में नये रूप में होता है परिवर्तित

सारंगढ़ बिलाईगढ़/मूक पत्रिका

न्यायधानी बिलासपुर शहर के सरकण्डा क्षेत्र में फैले बर्ड फ्लू बीमारी से 5 हजार मुर्गी के मरने को ध्यान में रखते हुए उप संचालक पशुधन डॉ महेंद्र पाण्डेय ने जिले में अलर्ट जारी किया है और बचने के लिए ऐसे संदिग्ध बीमार मुर्गा मुर्गियों के परिवहन पर रोक लगाने के लिए बॉर्डर में नाकाबंदी की गई है। टिमरलगा, कनकबीरा, डोंगरीपाली, सलिहा आदि बॉर्डर पर पशु चिकित्सा क्षेत्र अधिकारी की ड्यूटी लगाई गई है। पकडे जाने पर तत्काल इसकी सूचना नजदीकी थाने को दी जाएगी। यह मनुष्य में फैलने वाली बीमारी है। वन पक्षियों या ब्रायलर की ज्यादा मात्रा में अचानक मृत्यु होने पर तत्काल सूचना नजदीकी थाना, पशु चिकित्सक या डॉ महेंद्र पाण्डेय 8359840530 पर सम्पर्क कर सकते हैं।

सलाह-डॉ पाण्डेय ने लोगों को सलाह दिया कि, मरे हुए जानवर और बीमार पक्षियों को ना खाएं।

पोल्ट्री फार्म के नजदीक अपना निवास ना रखें, थोड़ा दूर रहें क्योंकि संक्रमित हवा से बीमारी फैलता है। पोल्ट्री फार्म के सभी वर्कर को मास्क अनिवार्य रूप से लगाना चाहिए। सभी लोग चिकन खाने से थोड़ा परहेज रखें। चिकन मांस को 60 डिग्री टेंपरेचर में उबाल कर खाएंगे तो कोई बीमारी होने की संभावना नहीं है। बर्ड फ्लू लाइलाज है, यह अलग अलग जीव और मनुष्य में नये रूप में परिवर्तित होता रहता है।

रामकृष्ण केयर हॉस्पिटल में तीन सफाई कर्मियों की मौत पर शोक, दोषियों पर सख्त कार्रवाई और मुआवजे की मांग

रायपुर /मूक पत्रिका

पचपेड़ी नाका स्थित रामकृष्ण केयर हॉस्पिटल में 17 मार्च 2026 को सीवरेज चैंबर की सफाई के दौरान तीन सफाई कर्मियों की दर्दनाक मृत्यु के मामले में सामाजिक कार्यकर्ता उपेंद्र जगत ने गहरा शोक व्यक्त किया है। उन्होंने मृतकों के परिवारों के प्रति संवेदना प्रकट करते हुए इस घटना को अत्यंत दुखद और चिंताजनक बताया। उपेंद्र जगत ने छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री एवं राज्यपाल से इस मामले में तत्काल हस्तक्षेप करने की मांग की है। उन्होंने कहा कि पीड़ित परिवारों को न्याय दिलाने के साथ-साथ प्रत्येक मृतक के परिजनों को 50-50 लाख रुपए मुआवजा और एक-एक सदस्य को सरकारी नौकरी प्रदान की जानी चाहिए। उन्होंने बताया कि यह घटना केवल एक दुर्घटना नहीं, बल्कि गंभीर लापरवाही का परिणाम है। उपेंद्र जगत ने अस्पताल प्रबंधन को इस घटना के लिए जिम्मेदार ठहराते हुए उनके खिलाफ कठोर कानूनी कार्रवाई की मांग की है। उन्होंने मुख्यमंत्री एवं राज्यपाल से आग्रह किया कि इस मामले में कड़ा रुख अपनाते हुए किसी भी दोषी को बख्शा न जाए, चाहे वह छोटा कर्मचारी हो या बड़ा अधिकारी। साथ ही उन्होंने निष्पक्ष जांच के लिए उच्चस्तरीय जांच समिति गठित कर दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई सुनिश्चित करने की बात कही। उपेंद्र जगत ने कहा कि इस घटना से समाज को अपूरणीय क्षति हुई है और पीड़ित परिवारों को हर संभव सहायता प्रदान की जानी चाहिए, ताकि उन्हें इस कठिन समय में सहारा मिल सके।

आगामी खरीफसीजन में खाद की पर्याप्त उपलब्धता के लिए कलेक्टर डॉ कन्नौजे ने ली बैठक

उर्वरकों की कालाबाजारी एवं अवैध भंडारण करने वाले दोषियों पर कार्रवाई करने के निर्देश

नैनो डीएपी, नैनो यूरिया, जैविक खाद, प्राकृतिक खेती, हरी खाद का उपयोग करने के लिए किसानों को समझाने पर जोर

सारंगढ़ बिलाईगढ़/मूक पत्रिका

आगामी खरीफ वर्ष 2026 में किसानों को रासायनिक उर्वरकों की पर्याप्त उपलब्धता सुनिश्चित करने के उद्देश्य से कलेक्टर डॉ संजय कन्नौजे की अध्यक्षता में जिला स्तरीय समीक्षा बैठक आयोजित की गई। कलेक्टर ने उर्वरकों की कालाबाजारी एवं अवैध भंडारण पर कड़ी निगरानी रखने एवं दोषियों के विरुद्ध नियमानुसार सख्त कार्रवाई करने के निर्देश दिए।सहकारी समितियों के प्रबंधकों को कृषकों के ऋण मान का समय पर निर्धारण एवं स्वीकृति सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए, जिससे किसान खरीफ सीजन से पूर्व उर्वरकों का उठाव कर सकें। बैठक में डॉ कन्नौजे द्वारा निर्देशित किया गया कि खरीफसीजन प्रारंभ होने से पूर्व समितियों एवं गोदामों में उर्वरकों का समुचित भंडारण सुनिश्चित किया जाए, ताकि किसानों को समय पर खाद उपलब्ध हो सके और उन्हें किसी प्रकार की परेशानी का सामना न करना पड़े। साथ ही उर्वरक कंपनियों के प्रतिनिधियों को आवंटन के अनुरूप पर्याप्त मात्रा में खाद का भंडारण करने तथा वितरण में किसी प्रकार की कटौती न करने के निर्देश दिए गए। कलेक्टर द्वारा रासायनिक उर्वरकों के साथ-साथ नैनो डीएपी, नैनो यूरिया, बायोफर्टिलाइजर, जैविक खाद, प्राकृतिक खेती, हरी खाद एवं ब्लू ग्रीन एल्गी के उपयोग को बढ़ावा देने पर भी जोर दिया गया। कृषि विभाग के मैदानी अमले को निर्देशित किया गया कि किसानों के मध्य इन विकल्पों के संबंध में व्यापक प्रचार-प्रसार किया जाए, जिससे मृदा की उर्वरता में वृद्धि हो तथा रासायनिक उर्वरकों पर निर्भरता कम हो सके। जिला प्रशासन द्वारा लगातार यह सुनिश्चित किया जा रहा है कि आगामी खरीफ सीजन में किसानों को उर्वरकों की पर्याप्त उपलब्धता हो तथा वैकल्पिक उर्वरकों के उपयोग से टिकाऊ कृषि को बढ़ावा मिल सके। कृषि विभाग द्वारा किसानों की सुविधा के लिए उर्वरकों से संबंधित शिकायत एवं जानकारी हेतु टोल फ्री नंबर 07768- 299015 जारी किया गया है। किसानों से अपील की गई है कि किसी भी प्रकार की समस्या होने पर इस नंबर पर संपर्क करें। बैठक में एसडीएम वर्षा बंसल, उप संचालक कृषि आशुतोष श्रीवास्तव, जिला विपणन अधिकारी शीतल भोई, जिला सहकारी बैंक, अपेक्स बैंक के प्रतिनिधि, नोडल सहकारी समितियों के प्रबंधक, उर्वरक निर्माता कंपनियों के प्रतिनिधि सहित जिले के कृषि विभाग के फील्ड अधिकारी उपस्थित रहे।

विश्व मुख स्वास्थ्य दिवस पर दिव्यांग बच्चों के दांतों का परीक्षण कर डेंटल किट वितरित

सारंगढ़ बिलाईगढ़/मूक पत्रिका

विश्व मुख स्वास्थ्य दिवस पर थीम ÷स्वस्थ मुंह, सुखी जीवन।÷ के तहत प्रांजल वेलफेयर फाउंडेशन में दिव्यांग बच्चों को मुख स्वास्थ्य संबंधित जानकारी दिया गया। साथ ही बच्चों का दंत रोग परीक्षण कर डेंटल किट का वितरण किया गया। परीक्षण दल में डॉ इन्दु सोनवानी (दंत रोग विशेषज्ञ) जिला नोडल अधिकारी राष्ट्रीय मुख स्वास्थ्य नियंत्रण कार्यक्रम , रविन्द्र सिदार दंत चिकित्सक सहायक उपस्थित थे। राष्ट्रीय मुख स्वास्थ्य कार्यक्रम अंतर्गत विगत दिवस जिले में कार्यरत समस्त सीएचो एवं आरएचो को दांत के प्रकार एवं उसकी संरचना, प्रायः होने वाले मुख समस्याओं में दांतों में सड़न, मसूड़ों की बीमारी मुंह के छाले, सांसों की दुर्गंध, दांत दर्द और दांतों का टेढ़ा-मेढ़ा होना, डेंटल फ्लोरोसिस लक्षण, प्रीकेंसर लिजन और ओरल कैंसर के कारण,लक्षण एवं उपचार,बच्चों में होने वाली मुख संबंधी रोग, उपचार एवं रोकथाम, ओरल हेल्थ से जुड़े मिथक और भ्रांतियां के बारे में प्रशिक्षण दिया गया।

राशन दुकान के धरमकांटा में बड़ी अनियमितता सहायक कलेक्टर और कोटा एसडीएम को सौंपा ज्ञापन

एसडीएम ने राशन दुकानदारों को कार्यवाई का दिया अस्वासन

कोटा/मूक पत्रिका

कोटा ब्लाक अंतर्गत लगभग 100 राशन दुकाने है जंहा प्रतिमाह जनता को बांटने के लिए राशन धरम कांटा से तौल कर दिया जाता है। पिछले लगभग दो वर्षो से राशन दुकानदार चावल, व अन्य सामग्री के कम होने की समस्या से परेशान थे हर माह प्रति दुकान में तीन से चार कुंटल चावल कम हो जाता था।साल भर में यही बढ़ कर चालीस से अड़तालीस कुंटल के लगभग कम हो जाता था दुकान दार पूर्ति कर कर के कंगाल होते जा रहे थे ऊपर से अधिकारियों का डर दबाव भी खाए जा रहा था।कई बार बेयर हाउस में दुकानदारों ने शिकायत की परन्तु समझ बुझा कर चलता करदेते थे। पानी जब सर से ऊपर हो गया तब दुकानदारों ने इसका कारण समझने के लिए नापतौल अधिकारी से लिखित शिकायत की क्योकि बेयरहाउस के धरम कांटा का रहस्य पता चलने लगा था।

और धरम कांटा के सत्यापन में नापतौल इंस्पेक्टर ने बारीकी से जांच किया तो धरम कांटा में बड़ी गड़बड़ी मिली इस आसय का पंचनामा बनाकर सील लगाकर नापतौल इंस्पेक्टर ने दुकानदारों के दे दिया। एयर धरम कांटा सील कर दिया,कोटा ब्लाक में लगभ 400 कुंटल का हर माह तौल घोटाला बेयरहाउस धरम कांटा से होता था। इस भरस्टाचार का खुलासा होते ही संबंधित अधिकारी लीपापोती करने में लग गए राशन दुकानदारों ने कोटा एसडीएम सहायक कलेक्टर महोदय को ज्ञापन देकर कार्यवाई और इस धोखाधड़ी से दिए गए कम राशन की भरपाई की मांग की उन्होंने ने कार्यवाई का आश्वासन दिया है।

महतारी वंदन योजना की ई-केवाईसी के लिए सीएससी ऑपरेटरों व पर्यवेक्षकों का प्रशिक्षण आयोजित

मुंगेली/मूक पत्रिका

कलेक्टर कुन्दन कुमार के निर्देशानुसार महतारी वंदन योजना के हितग्राहियों की ई-केवाईसी प्रक्रिया को सुचारू, पारदर्शी और समयबद्ध बनाने के उद्देश्य से जनपद सभाकक्ष, मुंगेली में सीएससी सेंटर ऑपरेटरों एवं पर्यवेक्षकों का प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। प्रशिक्षण में उपस्थित ऑपरेटरों और पर्यवेक्षकों को ई-केवाईसी की चरणबद्ध प्रक्रिया, आवश्यक दस्तावेजों के सत्यापन, तकनीकी सावधानियों तथा हितग्राहियों को त्वरित सेवाएं उपलब्ध कराने के संबंध में विस्तार से जानकारी दी गई। महिला एवं बाल विकास विभाग की जिला कार्यक्रम अधिकारी संजूला शर्मा ने बताया कि योजना के प्रभावी क्रियान्वयन के लिए सटीक डेटा एंट्री, दस्तावेजों की सही जांच और समयसीमा का पालन अत्यंत आवश्यक है। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य योजना के क्रियान्वयन में गति और पारदर्शिता लाना तथा जिले के अधिकतम पात्र हितग्राहियों तक योजना का लाभ सुनिश्चित करना है। प्रशिक्षण के दौरान प्रतिभागियों को जिम्मेदारीपूर्वक कार्य करने, शासन द्वारा जारी दिशा-निर्देशों का पालन करने और हितग्राहियों को किसी प्रकार की असुविधा न होने देने के निर्देश दिए गए। विशेष रूप से प्रशिक्षण में 10 वर्ष पुराने आधार कार्ड के अनिवार्य अपडेट, आधार में मोबाइल नंबर जोड़ने/संशोधित कराने तथा मोबाइल नंबर गुम या बंद होने की स्थिति में पुनः अपडेट की प्रक्रिया के बारे में भी विस्तार से बताया गया, ताकि हितग्राहियों की ई-केवाईसी में किसी प्रकार की तकनीकी बाधा न आए। साथ ही संभावित समस्याओं के समाधान और फील्ड स्तर पर आने वाली व्यावहारिक चुनौतियों पर भी विशेषज्ञों द्वारा चर्चा की गई। इस अवसर पर परियोजना अधिकारी राजेंद्र गेंदले, मास्टर ट्रेनर दीपेश परिहार, एनआईसी विभाग के अधिकारी-कर्मचारी, सीएससी ऑपरेटर तथा पर्यवेक्षक बड़ी संख्या में उपस्थित रहे।

श्रीराम नवमी महोत्सव आयोजन समिति ने किया आयोजन, भगवा ध्वजों के साए में निकली भव्य शोभायात्रा

श्रीराम नवमी पर भव्य शोभायात्रा,जय श्रीराम के उद्घोष से गूंजा पूरा नगर ...

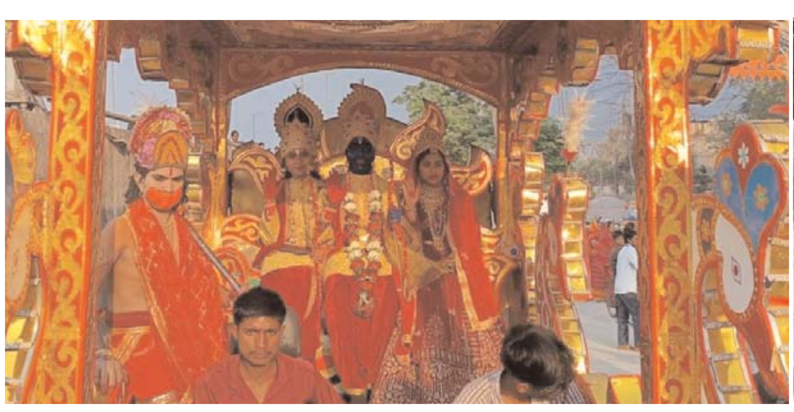

चांपा/मूक पत्रिका

स्थानीय श्रीराम नवमी महोत्सव आयोजन समिति द्वारा नगर में शुक्रवार 27 मार्च को शाम 5 बजे से रेलवे स्टेशन के सामने स्थित पाटन बाबा के हनुमान मंदिर से भव्य एवं विशाल शोभा यात्रा का आयोजन किया गया। आयोजन के चलते सम्पूर्ण शहर राममय व भगवामय हो गया। श्रीराम नवमी के पावन पर्व पर शहर में विशाल एवं भव्य शोभा यात्रा रेलवे स्टेशन के सामने स्थित पाटन बाबा के हनुमान मंदिर से रामभक्त बजरंगबली की पूजा-अर्चना कर शाम 5 बजे निकाली गई। यह शोभा यात्रा बरपाली चौक, लायंस चौक, थाना चौक, सुभाष चौक, सदर बाजार, संतोषी चौक से कचहरी चौक होते हुए परशुराम चौक स्थित हनुमान मंदिर रात्रि में पहुंची।

श्रीराम नवमी महोत्सव के अंतर्गत धार्मिक कार्यक्रमों की श्रृंखला के तहत शाम 5 बजे से भजन संध्या, शाम 6 बजे से दीप दान तथा रात्रि 8 बजे से महाआरती का आयोजन किया गया। शोभा यात्रा के चलते सम्पूर्ण नगर का माहौल राममय हो गया। महोत्सव के लिए आयोजन समिति द्वारा नगर के प्रमुख मार्ग सहित विभिन्न चौक-चौराहों सहित स्टेशन मार्ग में लगे सड़क डिवाइडर को भगवा झंडों और तोरण से सजाया गया। इसके अलावा बरपाली चौक तथा लायंस चौक भगवान श्रीराम का आकर्षक तेल चित्र लगाकर चौक को आकर्षक लाइटिंग से सजाया गया। शोभा यात्रा करीब 1 किमी लंबी थी जिसके साथ धुमाल पार्टी, डीजे, बैंड बाजा, कर्मा नृत्य दल, गड़वा बाजा के अलावा जीवंत झांकियां आकर्षण का केंद्र रही। इनमें बाहुबली बजरंगबली (रौद्र रूप), भोलेनाथ (रौद्र रूप), नौमुखी काली मां, राम दरबार, अयोध्या के रामलला, खाटू वाले श्याम बाबा सहित अनेक सुंदर झांकियां शामिल थीं। पर्व को लेकर नगर में भी उत्साह का माहौल देखा गया। लोगों ने अपने घरों के सामने दीपक जलाकर तथा रंगोली सजाकर महोत्सव की भव्यता बढ़ाई। हनुमान मंदिर प्रांगण में शोभा यात्रा के पहुंचने के बाद महाआरती पश्चात प्रसाद वितरण किया गया। यहां महिलाओं के लिए बैठने की विशेष व्यवस्था की गई। शोभा यात्रा में बड़ी संख्या में पुरुष, महिलाएं, युवा, किशोर तथा बच्चे शामिल हुए जो नाचते गाते हुए उत्साहपूर्ण माहौल बना रहे थे। शोभा यात्रा के चलते सम्पूर्ण नगर भगवामय रहा। शोभा यात्रा में शामिल रामभक्तों का अनेक स्थानों पर विभिन्न संस्थाओं, संगठनों एवं सेवाभावी लोगों द्वारा कोल्ड ड्रिंक, आईस्क्रीम तथा शीतल पेयजल से आत्मीय स्वागत किया गया। इसके अलावा अनेक स्थानों पर भव्य आतिशबाजी करने के साथ ही शोभा यात्रा के समापन स्थल परशुराम चौक में डी वी वेंचर्स (धीरेंद्र वाजपेयी) के द्वारा आकर्षक आतिशबाजी की गई।

मानवता की सेवा ही सच्चा संकल्प, कैबिनेट मंत्री गुरु खुशवंत साहेब ने सेवा और समर्पण के साथ मनाया अपना जन्मदिन

रायपुर/आरंग/मूक पत्रिका

राजनीति में जब पद और प्रतिष्ठा का मेल संवेदनशीलता से होता है, तो वह जनसेवा का एक नया अध्याय लिखता है। कुछ ऐसा ही नजारा छत्तीसगढ़ शासन के कैबिनेट मंत्री और आरंग विधायक गुरु खुशवंत साहेब के जन्मदिवस पर देखने को मिला। इस बार मंत्री साहेब ने भव्य ताम-झाम और दिखावे से दूर रहकर अपने जन्मदिन को ÷सेवा और समर्पण÷ के उत्सव के रूप में मनाया। राजधानी रायपुर से लेकर आरंग विधानसभा तक, पूरे दिन चले कार्यक्रमों ने सादगी और संवेदनशीलता की एक नई मिसाल देखने को मिली।

भिक्षुक पुनर्वास केंद्र में जमीन पर बैठकर किया भोजन

मंत्री गुरु खुशवंत साहेब के दिन की शुरुआत रायपुर के मोवा स्थित भिक्षुक पुनर्वास केंद्र (संगी मितान संस्थान द्वारा संचालित) से हुई। यहाँ उन्होंने किसी प्रोटोकॉल की परवाह न करते हुए समाज के अंतिम पंक्ति के व्यक्तियों के साथ जमीन पर बैठकर भोजन किया। उन्होंने स्वयं अपने हाथों से सभी को मिष्ठान परोसा और उनकी कुशलक्षेम जानी। यह दृश्य देख वहां मौजूद हर व्यक्ति भावुक हो उठा। कैबिनेट मंत्री जी को यहां रहने वाले भिक्षुको से विशेष लगाव है, वो इस केंद्र में नागरिकों का हाल चाल जानने जाते ही रहते है।

बालिका गृह में झलकी ममता और भावुकता

इसके पश्चात मंत्री गुरु साहेब रायपुर,खम्हारडीह स्थित शासकीय बालिका गृह पहुँचे। यहाँ का माहौल तब और भी खास हो गया जब नन्हीं बालिकाओं ने अपने हाथों से बनाया हुआ 'स्नेहभरा शुभकामना ग्रीटिंग' उन्हें भेंट किया। बेटियों के इस निश्छल प्रेम को देखकर मंत्री गुरु साहेब भावुक हो गए। उन्होंने कहा इन नन्हीं बेटियों के साथ बिताए पल मेरे लिए अविस्मरणीय हैं। इनके चेहरे की मुस्कान ही मेरे लिए जन्मदिन का सबसे अनमोल उपहार है। इनकी शिक्षा और सुरक्षा हमारी प्राथमिकता है।

सत्य साई संजीवनी अस्पताल मानवता का मंदिर, बच्चों संग बिताया वक्त

सेवा का यह सफर श्री सत्य साई संजीवनी अस्पताल पहुँचा। मंत्री गुरु साहेब जी ने इस अस्पताल को 'मानवता का मंदिर' बताते हुए यहाँ हृदय रोगों से लड़ रहे नन्हें बच्चों के साथ समय बिताया। बच्चों के स्वास्थ्य लाभ की कामना करते हुए उन्होंने संकल्प लिया कि उनका सार्वजनिक जीवन सदैव समाज के वंचित वर्गों के उत्थान के लिए समर्पित रहेगा।

जनसेवा को समर्पित दो बड़ी सौगाते एंबुलेंस और फायर टेंडर का शुभारंभ

अपने जन्मदिन को आरंग और क्षेत्र की जनता के लिए यादगार बनाते हुए मंत्री साहेब ने दो महत्वपूर्ण सुविधाओं का शुभारंभ किया। उन्होंने आरंग और क्षेत्र के लिए अत्याधुनिक एंबुलेंस जो आपातकालीन स्थितियों में मरीजों को त्वरित स्वास्थ्य सहायता प्रदान करेगी। मल्टीपरपज फायर टेंडरः जो क्षेत्र में आगजनी जैसी घटनाओं पर तुरंत काबू पाने में सक्षम होगा। इन वाहनों को हरी झंडी दिखाकर रवाना करते हुए उन्होंने स्पष्ट किया कि यह केवल वाहनों का लोकार्पण नहीं, बल्कि क्षेत्रवासियों की सुरक्षा और स्वास्थ्य के प्रति उनकी प्रतिबद्धता का प्रतीक है।

एम.एम. फन सिटी में होली मिलन और दिग्गजों का जमावड़ा

जन्मदिन और होली मिलन समारोह का भव्य आयोजन मंदिर हसौद स्थित एम.एम. फन सिटी में हुआ। यहाँ राजनीति और समाज के विभिन्न क्षेत्रों के प्रतिष्ठित चेहरों ने शिरकत की जिसमे प्रमुख से उपस्थित बृजमोहन अग्रवाल (रायपुर सांसद),गजेंद्र यादव(स्कूल शिक्षा मंत्री),टंकराम वर्मा(मंत्री राजस्व एवं आपदा प्रबंधन, पुनर्वास, और उच्च शिक्षा) सुनील सोनी (पूर्व सांसद व विधायक) धरसींवा विधायक अनुज शर्मा , ,रोहित साहू, दीपेश साहू और इंद्रकुमार साहू (विधायकगण) मोना सेन (अध्यक्ष छत्तीसगढ़ राज्य केश शिल्पी कल्याण बोर्ड) प्रहलाद रजक (रजक कार बोर्ड अध्यक्ष) भाजपा प्रदेश से युवा मोर्चा प्रदेश अध्यक्ष राहुल टिकरिहा,बीजेपी प्रवक्ता अमित चिमनानी,पूर्व युवा मोर्चा प्रदेश अध्यक्ष,सहित छत्तीसगढ़ के अन्य जिलों से बिलासपुर,मुंगेली, बलौदाबाजार, जांजगीर, सक्ती, सारंगढ़ सहित भाजपा पदाधिकारी और भारी संख्या में कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

मेधावी छात्रों का सम्मानः 'युवा ही भविष्य की धरोहर

इस गरिमामयी कार्यक्रम में केवल उत्सव ही नहीं, बल्कि शिक्षा को भी प्रोत्साहन दिया गया। मंत्री गुरु साहेब ने आरंग क्षेत्र के उन मेधावी छात्र-छात्राओं को सम्मानित किया, जिन्होंने शिक्षा के क्षेत्र में उत्कृष्ट प्रदर्शन किया है। उन्होंने युवाओं का उत्साहवर्धन करते हुए कहा कि युवा ही हमारे देश और प्रदेश की असली धरोहर हैं और उनकी सफलता ही क्षेत्र की प्रगति का आधार है।

समापन पूज्य गुरु और माता-पिता का आशीर्वाद

दिन भर के सेवा कार्यक्रमों का समापन परम पूज्य गुरु घासीदास बाबा जी की कर्मस्थली पावन धाम भंडारपुरी में हुआ। यहाँ मंत्री गुरु साहेब ने पूजा-अर्चना की और अपने परिवार और ग्रामीणों के साथ समय बिताया। उन्होंने अपने पूज्य पिता और माता जी के चरण स्पर्श कर आशीर्वाद लिया, जिसके साथ उनके इस प्रेरणादायक जन्मदिवस का समापन हुआ।

ढोलिया में श्रद्धा और आस्था के साथ हुआ जवारा विसर्जन

बेमेतरा/मूक पत्रिका

चैत्र नवरात्रि के पावन अवसर पर जिले के ग्राम ढोलिया में भक्तिमय वातावरण के बीच जवारा विसर्जन कार्यक्रम श्रद्धा और उल्लास के साथ संपन्न हुआ। नौ दिनों तक माता दुर्गा की पूजा-अर्चना और अनुष्ठान के बाद श्रद्धालुओं ने पूरे विधि-विधान से जवारा का विसर्जन किया। इस दौरान गांव में भक्ति गीतों और जयकारों से माहौल गूंज उठा। महिलाएं पारंपरिक वेशभूषा में सिर पर जवारा लेकर निकलीं और भव्य शोभायात्रा निकाली गई। शोभायात्रा में बड़ी संख्या में ग्रामीणजन शामिल हुए और पूरे उत्साह के साथ माता रानी की आराधना की। विसर्जन स्थल पर पहुंचकर विधिवत पूजा-अर्चना के पश्चात जवारा का विसर्जन किया गया। कार्यक्रम के दौरान सुरक्षा और व्यवस्था के लिए स्थानीय जनप्रतिनिधि एवं ग्रामीण सक्रिय रहे। इस आयोजन ने गांव में धार्मिक एकता और सामाजिक समरसता का संदेश दिया।

बेमेतरा में सतनामी समाज का ज्ञापन, औराबांधा को तीर्थ स्थल घोषित करने की मांग तेज

बेमेतरा/मूक पत्रिका

जिले में सतनामी समाज द्वारा अपनी मांगों को लेकर बड़ा आंदोलन देखने को मिल रहा है। समाज के लोगों ने बीते शनिवार को कलेक्ट्रेट पहुंचकर सरकार के नाम ज्ञापन सौंपा और मुंगेली जिले के औराबांधा स्थित वीर बलिदानी राजा गुरु बालक दास जी के शहादत स्थल को तीर्थ स्थल घोषित करने की मांग उठाई।

सतनामी समाज का कहना है कि औराबांधा स्थित यह स्थल गुरु घासीदास जी के द्वितीय पुत्र, वीर बलिदानी राजा गुरु बालक दास जी का शहादत स्थल है, जो समाज की आस्था का प्रमुख केंद्र है। इसके बावजूद लंबे समय से यह स्थान प्रशासनिक प्रतिबंधों, विशेषकर धारा 144, के कारण आम लोगों के लिए बाधित है। समाज के प्रतिनिधियों ने बताया कि 2023 के विधानसभा चुनाव के दौरान इस स्थल को लेकर बड़े वादे किए गए थे। इनमें धारा 144 हटाने और स्थल को भव्य तीर्थ स्थल के रूप में विकसित करने की घोषणा शामिल थी। लेकिन सरकार गठन के बाद अब तक इन वादों पर कोई ठोस कार्यवाही नहीं हुई, जिससे समाज में नाराजगी बढ़ती जा रही है।

ज्ञापन के माध्यम से समाज ने मांग की है कि 28 मार्च 2026 को शहादत दिवस के अवसर पर औराबांधा को सभी प्रतिबंधों से मुक्त किया जाए, धारा 144 तत्काल प्रभाव से हटाई जाए तथा स्थल को आधिकारिक रूप से तीर्थ स्थल घोषित किया जाए। साथ ही भूमि पूजन कर विकास कार्य शीघ्र शुरू करने की भी मांग रखी गई है।

इस दौरान प्रदेश सतनामी समाज के जिला अध्यक्ष लक्ष्मी बंसल, सामाजिक कार्यकर्ता अविनाश घृतलहरे, जिला प्रभारी अमित पाटले, कोषाध्यक्ष संतन बंजारे, भीम आर्मी जिला अध्यक्ष रबेल राढेकर सहित बड़ी संख्या में समाज के लोग उपस्थित रहे। अब सभी की नजर सरकार के अगले कदम पर टिकी हुई है। यदि शहादत दिवस से पहले मांगें पूरी नहीं होती हैं, तो यह मुद्दा आने वाले समय में और बड़ा रूप ले सकता है।

नुक्कड़ नाटक से जंगल बचाने की मुहिम, हाट-बाजारों में जागरूकता, आग और कटाई से नुकसान समझा रहे कलाकार

बीजापुर/मूक पत्रिका

जंगल और वन्यजीवों की सुरक्षा को लेकर इंद्रावती टाइगर रिजर्व क्षेत्र में इन दिनों जागरूकता अभियान तेज कर दिया गया है। गांवों और हाट-बाजारों में नुक्कड़ नाटक के जरिए ग्रामीणों को जंगल बचाने और आग से सतर्क रहने का संदेश दिया जा रहा है।यह अभियान राज्य के वन मंत्री केदार कश्यप की मंशा के अनुरूप चलाया जा रहा है। विभागीय अधिकारियों के मार्गदर्शन में टीमें अलग-अलग इलाकों में पहुंचकर लोगों को सीधे संवाद के जरिए समझा रही हैं।इंद्रावती टाइगर रिजर्व अपने घने जंगलों और जैव विविधता के लिए जाना जाता है। यहां बाघ, तेंदुआ, भालू, वन भैंसा सहित कई दुर्लभ वन्यजीव पाए जाते हैं। ऐसे में जंगलों को सुरक्षित रखना बड़ी जिम्मेदारी मानी जा रही है। नुक्कड़ नाटक के माध्यम से ग्रामीणों को बताया जा रहा है कि जंगल में आग लगाना या लापरवाही से आग छोड़ देना गंभीर अपराध है। महुआ बीनने के दौरान आग न लगाने, तेंदूपत्ता तोड़ाई में सावधानी रखने और शिकार से दूर रहने की समझाइश भी दी जा रही है। अभियान के दौरान स्थानीय जनप्रतिनिधि, इको विकास समिति के सदस्य और ग्रामीण बड़ी संख्या में शामिल हो रहे हैं। लोगों को हिंदी के साथ-साथ हल्बी, गोंडी और तेलुगु भाषाओं में भी जानकारी दी जा रही है, ताकि हर वर्ग तक संदेश पहुंचे। यह अभियान भोपालपटनम, मद्देड़, नैमेड़, फरसेगढ़, मोदकपाल, तोयनार, भैरमगढ़, कुटरू और बीजापुर सहित कई क्षेत्रों में लगातार चल रहा है।

79 हजार से अधिक श्रमिकों को 27.15 करोड़ की सीधी सहायताः मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने जशपुर में श्रमिक सम्मेलन में किया डीबीटी अंतरण

मेहनतकश श्रमिकों का सशक्तिकरण ही विकसित छत्तीसगढ़ की नींव है : मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय

रायपुर/मूक पत्रिका

मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने आज जशपुर में आयोजित जिला स्तरीय श्रमिक सम्मेलन में 79,340 निर्माण श्रमिकों एवं उनके परिजनों को 27.15 करोड़ रुपए की राशि प्रत्यक्ष लाभ हस्तांतरण (DBT) के माध्यम से सीधे उनके बैंक खातों में अंतरित की। कार्यक्रम की अध्यक्षता प्रदेश के श्रम मंत्री श्री लखनलाल देवांगन ने की। इस अवसर पर छत्तीसगढ़ भवन एवं अन्य सन्निर्माण कर्मकार कल्याण मंडल के अध्यक्ष डॉ. रामप्रताप सिंह सहित अन्य जनप्रतिनिधि उपस्थित थे। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने सम्मेलन को संबोधित करते हुए कहा कि पश्चिम एशिया में चल रहे युद्ध के बावजूद छत्तीसगढ़ में पेट्रोल, डीज़ल और एलपीजी गैस की उपलब्धता को लेकर किसी भी प्रकार की चिंता करने की आवश्यकता नहीं है।

उन्होंने स्पष्ट किया कि भारत अपनी ईंधन आवश्यकताओं के लिए आयात पर निर्भर है, लेकिन केंद्र सरकार की प्रभावी विदेश नीति और विभिन्न देशों के साथ मजबूत संबंधों के कारण आपूर्ति पर कोई नकारात्मक प्रभाव नहीं पड़ेगा। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि वर्तमान परिस्थितियों में कुछ असामाजिक तत्वों द्वारा सोशल मीडिया पर भ्रामक खबरें और अफवाहें फैलाई जा रही हैं, जिससे लोगों में अनावश्यक भय और भ्रम का वातावरण बन रहा है।उन्होंने प्रदेशवासियों से अपील की कि वे ऐसी अफवाहों पर ध्यान न दें और पेट्रोल, डीज़ल या गैस का अनावश्यक भंडारण न करें। उन्होंने भरोसा दिलाया कि जैसे पहले ईंधन की उपलब्धता बनी रही है, वैसे ही आगे भी निर्बाध रूप से मिलती रहेगी। कार्यक्रम के दौरान मुख्यमंत्री श्री साय ने श्रमिकों के कल्याण के लिए राज्य और केंद्र सरकार द्वारा संचालित 12 विभिन्न योजनाओं का विस्तार से उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि पंजीकृत श्रमिकों को बच्चे के जन्म पर 20,000 रुपए की सहायता राशि दी जाती है। इसके अलावा मकान निर्माण के लिए 1.5 लाख रुपए तक की आर्थिक सहायता प्रदान की जा रही है। श्रमिकों को स्वरोजगार से जोड़ने के लिए ई-रिक्शा खरीदने में भी सहायता दी जा रही है, जिसे पहले 1 लाख रुपए से बढ़ाकर 1.5 लाख रुपए कर दिया गया है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि शिक्षा के क्षेत्र में भी सरकार ने महत्वपूर्ण पहल की है। यदि किसी श्रमिक का बच्चा 10वीं या 12वीं बोर्ड परीक्षा में टॉप-10 में स्थान प्राप्त करता है, तो उसे 2 लाख रुपए की प्रोत्साहन राशि दी जाती है।इसके साथ ही मेधावी बच्चों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा उपलब्ध कराने के लिए पहले 100 बच्चों को निजी स्कूलों में पढ़ाया जाता था, जिसे अब बढ़ाकर 200 सीट कर दिया गया है। मुख्यमंत्री श्री साय ने बताया कि भूमिहीन कृषि मजदूरों के लिए ÷दीनदयाल भूमिहीन कृषि मजदूर कल्याण योजना÷ संचालित की जा रही है, जिसके तहत ऐसे मजदूरों को सालाना 10,000 रुपए की सहायता राशि प्रदान की जाती है।उन्होंने जानकारी दी कि हाल ही में लाखों भूमिहीन मजदूरों के खातों में लगभग 495 करोड़ रुपए से अधिक की राशि सीधे हस्तांतरित की गई है।मुख्यमंत्री श्री साय ने प्रत्यक्ष लाभ हस्तांतरण प्रणाली की सराहना करते हुए कहा कि जनधन खातों के माध्यम से अब योजनाओं का लाभ सीधे हितग्राहियों तक पहुंच रहा है।उन्होंने कहा कि पहले भेजी गई राशि का बड़ा हिस्सा बीच में ही खत्म हो जाता था, लेकिन अब पूरी राशि सीधे लाभार्थियों तक पहुंच रही है, जिससे पारदर्शिता और विश्वास दोनों मजबूत हुए हैं। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि प्रोविडेंट फंड (PF) प्रणाली को यूनिवर्सल बनाया गया है, जिससे श्रमिक देश के किसी भी हिस्से में काम करने पर अपना पीएफ लाभ जारी रख सकते हैं।इसके अलावा न्यूनतम पेंशन राशि को बढ़ाकर 1000 रुपए किया गया है। उन्होंने यह भी बताया कि ईएसआईसी अस्पतालों के माध्यम से पंजीकृत श्रमिकों को बेहतर और निःशुल्क इलाज की सुविधा उपलब्ध कराई जा रही है।मुख्यमंत्री श्री साय ने अपने संबोधन के अंत में श्रमिकों को प्रदेश के विकास की रीढ़ बताते हुए कहा कि उनके परिश्रम और योगदान से ही राज्य तेजी से आगे बढ़ रहा है। उन्होंने सभी श्रमिकों का सम्मान करते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य के लिए सरकार की प्रतिबद्धता दोहराई।

प्रदेशभर में आयोजित हो रहे श्रमिक सम्मेलन—श्रम मंत्री

श्रम मंत्री श्री लखनलाल देवांगन ने बताया कि मुख्यमंत्री के निर्देश पर पूरे प्रदेश में श्रमिक सम्मेलनों का आयोजन किया जा रहा है, ताकि श्रमिकों तक योजनाओं की जानकारी पहुंचे और उन्हें अधिकतम लाभ मिल सके।उन्होंने बताया कि राज्य सरकार द्वारा श्रमिकों को प्रसूति सहायता के रूप में 20,000 रुपए, मकान निर्माण के लिए आर्थिक सहायता, छात्रवृत्ति सहित कई योजनाएं संचालित की जा रही हैं। इसके साथ ही 10वीं और 12वीं में टॉप-10 में आने वाले श्रमिकों के बच्चों को 2 लाख रुपए की प्रोत्साहन राशि दी जा रही है। उन्होंने कहा कि पिछले सवा दो वर्षों में 800 करोड़ रुपए से अधिक की राशि श्रमिकों के खातों में डीबीटी के माध्यम से सीधे ट्रांसफर की गई है। इसके अलावा ÷अटल शिक्षा योजना÷ के तहत श्रमिकों के बच्चों को निजी स्कूलों में पढ़ाई की सुविधा दी जा रही है। उन्होंने कहा कि सरकार का लक्ष्य है कि श्रमिकों को योजनाओं का पूरा लाभ मिले और उनके जीवन स्तर में सुधार हो।छत्तीसगढ़ भवन एवं अन्य सन्निर्माण कर्मकार कल्याण मंडल के अध्यक्ष डॉ. रामप्रताप सिंह ने भी राज्य सरकार द्वारा श्रमिकों के हित में संचालित योजनाओं की जानकारी देते हुए श्रमिकों से इनका अधिकाधिक लाभ उठाने की अपील की।इस अवसर पर श्रम कल्याण मंडल के अध्यक्ष योगेश दत्त मिश्रा, माटी कला बोर्ड के अध्यक्ष श्री शंभूनाथ चक्रवर्ती, नगर पालिका जशपुर के अध्यक्ष श्री अरविंद भगत, नगर पालिका उपाध्यक्ष श्री यशप्रताप सिंह जुदेव, जिला पंचायत उपाध्यक्ष श्री शौर्य प्रताप सिंह जुदेव, जनपद पंचायत अध्यक्ष जशपुर श्री गंगाराम भगत सहित अन्य जनप्रतिनिधि, श्रमिक बंधु एवं अधिकारीगण उपस्थित थे।

बच्चों के नि:शुल्क शिक्षा के लिए आरटीई में ऑनलाइन आवेदन 31 मार्च तक

बेमेतरा/मूक पत्रिका

शिक्षा का अधिकार (आरटीई) के तहत छत्तीसगढ़ के सभी गैर अनुदान प्राप्त और गैर अल्पसंख्यक प्राइवेट स्कूलों के प्रारंभिक कक्षाओं में 25त्न सीट दुर्बल और असुविधाग्रस्त परिवार के बच्चों के लिए आरक्षित होता है। जरूरतमंद और पात्र छात्रों को नर्सरी से क्लास - बारहवीं तक निःशुल्क शिक्षा दिया जाता है इसके लिए ऑनलाइन आवेदन 31 मार्च 2026 तक जमा किये जा सकते है, जिसका वेबसाईट आरटीई डॉट सीजी डॉट एन आई सी डॉट इन https://rte.cg.nic.in/ है। इस अधिनियम के तहत 3 से 6ड्ढ वर्ष तक के बच्चे किसी भी प्राइवेट स्कूल के प्रारंभिक कक्षा मे प्रवेश ले सकते है। आवेदन पत्र ऑनलाइन भरने के लिए पासपोर्ट फोटो, आधार कार्ड, जाति, निवास जैसे कई दस्तावेज पालक की होनी चाहिए।

रविवार और मंगलवार को अवकाश में भी खुला रहेगा रजिस्ट्री ऑफिस

बेमेतरा/मूक पत्रिका

नागरिकों को रजिस्ट्री संबंधी कार्यों में किसी प्रकार की असुविधा न हो इसके लिए छत्तीसगढ़ के सभी रजिस्ट्री ऑफिस रविवार 29 मार्च तथा मंगलवार (महावीर जयंती) 31 मार्च को भी सामान्य कार्यदिवसों की तरह खुले रहेंगे। इन तिथियों में दस्तावेजों के पंजीयन सहित अन्य सभी संबंधित सेवाएं नियमित रूप से उपलब्ध रहेंगी।

संपादकीय

सुप्रीम कोर्ट का धर्म-जाति पर अहम फैसला

सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि हिंदू, सिख और बौद्ध धर्म से बाहर धर्म परिवर्तन करने पर व्यक्ति अनुसूचित जाति (एससी) का सदस्य नहीं रहेगा। फैसला संविधान (एससी) आदेश, 1950 पर आधारित है। कोर्ट ने आरक्षण लाभ के दुरुपयोग पर चिंता जताई। हालांकि, धर्म बदलने के बाद भी जातिगत भेदभाव खत्म न होने की सामाजिक बहस जारी रहने की बात सामने आई। सुप्रीम कोर्ट ने मंगलवार को एक अहम फैसले में स्पष्ट कर दिया कि अगर कोई शख्स हिंदू, सिख और बौद्ध धर्म से बाहर जाकर धर्म परिवर्तन करता है, तो उसे अनुसूचित जाति का सदस्य नहीं माना जा सकता। आंध्र प्रदेश के एक पादरी से जुड़े मामले में आए फैसले के व्यापक राजनीतिक और सामाजिक मायने हैं। शीर्ष अदालत के फैसले का आधार कंसेंटीट्यूशन शेड्यल कास्ट आर्डर 1950 है। इस आदेश का क्लॉज 3 कहता है कि हिंदू, सिख और बौद्ध धर्म को मानने वाले ही स्ट श्रेणी में आ सकते हैं। धर्म परिवर्तन और जाति से जुड़ी यह बहस बहुत पुरानी है। इसके दो पहलू हैं। एक, जिन धर्मों में जाति व्यवस्था नहीं है, उन्हें अपनाकर फिर जाति से जुड़े लाभ कैसे लिए जा सकते हैं। पिछले साल दिसंबर में इलाहाबाद हाईकोर्ट ने यूपी सरकार को यह सुनिश्चित करने का आदेश दिया था कि जिन्होंने ईसाई धर्म अपना लिया है, उन्होंने स्ट से जुड़े लाभ छोड़ दिए हों। तब हाईकोर्ट ने कहा था कि धर्म परिवर्तन के बाद भी एससी कम्युनिटी को मिलने वाले फायदे लेते रहना संविधान के साथ धोखा है। राष्ट्रीय अनुसूचित जाति आयोग के पास इस तरह की कई शिकायतें हैं और उसने पिछले साल देशभर में जांच भी शुरू की थी। कुल मिलाकर मंशा यह है कि संविधान के तहत मिले अधिकार का दुरुपयोग न होने पाए। हालांकि देश में जाति से जुड़ा सवाल बहुत टेढ़ा है। सामाजिक स्तर पर हमेशा से यह बहस का विषय रहा है कि क्या धर्म बदलने भर से जातिगत भेदभाव खत्म हो जाता है? ऐसे मामले सामने आते रहे हैं, जिनमें दलित समुदाय के लोगों को दूसरा धर्म अपनाने के बाद भी भेदभाव का सामना करना पड़ा। पिछले साल मार्च में ही तमिलनाडु के कुछ ईसाई परिवारों, जो पहले दलित थे, ने आरोप लगाया था कि उनके साथ समान व्यवहार नहीं होता।

शीर्ष न्यायालय ने स्पष्ट किया है कि अनुसूचित जाति (एससी) के अंतर्गत मिलने वाले आरक्षण का लाभ केवल उन्हीं को मिलेगा जो मूल रूप से उस सामाजिक-धार्मिक श्रेणी में बने रहते हैं। यदि कोई व्यक्ति धर्म परिवर्तन कर लेता है, तो वह स्वतः उस आरक्षण के अधिकार से वंचित हो सकता है, क्योंकि यह आरक्षण ऐतिहासिक सामाजिक वर्गीकरण के आधार पर दिया गया है। यह निर्णय केवल एक कानूनी व्याख्या नहीं, बल्कि सामाजिक समरसता को, सामाजिक संरचना को व हिंदुत्व के विरुद्ध चल रहे कुचक्र को रोकने वाला महत्वपूर्ण कदम है। स्वामी विवेकानंद ने धर्मांतरण की आग की आँच को भाँपकर ही कहा था - एक धर्मांतरण एक देशद्रोही को जन्म देता है। भारत में विदेशी आक्रांताओं द्वारा भारतीय जाति व्यवस्था को षड़यंत्रपूर्वक छिन्न-भिन्न किया गया था। विदेशी आक्रमणकारी चाहे वे मुस्लिम हों या अंग्रेज़ अपने लाभ के लिए भाले-भाले हिंदू समाज में जातियों के आधार पर मतभेद के बीज बोते रहे हैं और सत्ता की फसल काटते रहे हैं। विदेशी आक्रणताओं के षड्यंत्रों के परिणाम स्वरूप ही पराधीन भारत में कई जातियों को हिंदू समाज में घोर उपेक्षा, अनदेखी, अनादरण व अपवंचन का करना पड़ा था।

अनुसूचित जाति आरक्षण- जनजातीय बिना अधूरा है पर अच्छा है सुप्रीम कोर्ट का यह निर्णय

(प्रवीण गुगनानी)

सुप्रीम कोर्ट ने निर्णय दिया है कि जब कोई व्यक्ति धर्म बदलता है, तो वह उस मूल सामाजिक ढांचे से बाहर आ जाता है, जिसके कारण उसे आरक्षण दिया गया था। यह सही भी है। विदेशी धर्मों को मानने वाले कई लोग धर्म बदलकर भी आरक्षण का लाभ उठा रहे थे जो कि आरक्षण कानून की मूल आत्मा के ही विरुद्ध है।

भारतीय सर्वोच्च न्यायालय ने अनुसूचित जाति के संदर्भ में अत्यंत ही महत्वपूर्ण निर्णय दिया है। इस निर्णय से धर्मांतरण के अवैध व असामाजिक कृत्यों से देश को अंशतः मुक्ति मिलेगी। यद्यपि यह निर्णय अभी अधूरा है, जनजातीय समाज को भी इस निर्णय में सम्मिलित करने से ही देश आरक्षण के दुरुपयोग को रोक पायेगा, तथापि, इस निर्णय से भारत में आरक्षण कानून की आत्मा की अंशतः रक्षा तो होगी ही। यद्यपि यह निर्णय समय की माँग के अनुसार जनजातीय वर्ग को अपने प्रभाव में नहीं ले रहा है तथापि इस प्रकार के निर्णय की प्रतीक्षा देश का अनुसूचित जनजातीय समाज बड़ी आतुरता से कर रहा है।

शीर्ष न्यायालय ने स्पष्ट किया है कि अनुसूचित जाति (एससी) के अंतर्गत मिलने वाले आरक्षण का लाभ केवल उन्हीं को मिलेगा जो मूल रूप से उस सामाजिक-धार्मिक श्रेणी में बने रहते हैं। यदि कोई व्यक्ति धर्म परिवर्तन कर लेता है, तो वह स्वतः उस आरक्षण के अधिकार से वंचित हो सकता है, क्योंकि यह आरक्षण ऐतिहासिक सामाजिक वर्गीकरण के आधार पर दिया गया है।

यह निर्णय केवल एक कानूनी व्याख्या नहीं, बल्कि सामाजिक समरसता को, सामाजिक संरचना को व हिंदुत्व के विरुद्ध चल रहे कुचक्र को रोकने वाला महत्वपूर्ण कदम है। स्वामी विवेकानंद ने धर्मांतरण की आग की आँच को भाँपकर ही कहा था - एक धर्मांतरण एक देशद्रोही को जन्म देता है।

भारत में विदेशी आक्रांताओं द्वारा भारतीय जाति व्यवस्था को षड़यंत्रपूर्वक छिन्न-भिन्न किया गया था। विदेशी आक्रमणकारी चाहे वे मुस्लिम हों या अंग्रेज़ अपने लाभ के लिए भाले-भाले हिंदू समाज में जातियों के आधार पर मतभेद के बीज बोते रहे हैं और सत्ता की फसल काटते रहे हैं। विदेशी आक्रणताओं के षड्यंत्रों के परिणाम स्वरूप ही पराधीन भारत में कई जातियों को हिंदू समाज में घोर उपेक्षा, अनदेखी, अनादरण व अपवंचन का करना पड़ा था।

सुप्रीम कोर्ट ने निर्णय दिया है कि जब कोई व्यक्ति धर्म बदलता है, तो वह उस मूल सामाजिक ढांचे से बाहर आ जाता है, जिसके कारण उसे आरक्षण दिया गया था। यह सही भी है। विदेशी धर्मों को मानने वाले कई लोग धर्म बदलकर भी आरक्षण का लाभ उठा रहे थे जो कि आरक्षण कानून की मूल आत्मा के ही विरुद्ध है।

सर्वोच्च न्यायालय ने यह मंतव्य प्रकट किया है कि ईसाईत व इस्लाम में जाति व्यवस्था का उल्लेख ही नहीं है अतः जातिगत भेद-विभेद भी इन धर्मों में नहीं होते हैं। यह निर्णय ईसाई एवं इस्लामिक की मान्य मजहबी किताबों के आशय / दुराशय को ही आगे बढ़ाता है। बौद्ध, जैन, सिक्ख समुदाय को आरक्षण का लाभ पूर्ववत् मिलता रहेगा क्योंकि इनमें जाति व्यवस्था लागू है।

भारतीय समाज में मंथन चलता रहा है कि धर्मांतरण केवल आस्था का विषय है या इसके पीछे सामाजिक, आर्थिक और संस्थागत कारण भी काम करते हैं। अधिकांश धर्म परिवर्तन के मामलों में यह देखा गया है कि गरीब और वंचित वर्गों को शिक्षा, स्वास्थ्य, रोजगार या अन्य सुविधाओं के माध्यम से प्रभावित कर धर्म परिवर्तन के लिए प्रेरित किया जाता है। मतांतरण के पीछे केवल और केवल दुराशय ही होते हैं।

यह और कुछ नहीं अपितु भारत में जनसांख्यिकीय संतुलन को बिगाड़ कर अपनी संख्या बढ़ाने समाज, सत्ता, व्यवस्था को मजहबी कानून से चलाने का एक षड्यंत्र है। लोकतंत्र में संख्या बल ही सत्ता को निर्धारित, नियंत्रित व नियमित करता है। धर्मांतरण कुचक्र का लक्ष्य अपनी संख्या बढ़ाने और टेक्टिकल वोटिंग के माध्यम से निर्णय प्रक्रिया में हावी होने का रहता है।

इस विषय में यह भी ध्यान देना चाहिए कि दो कथित धर्म की मूल व्याख्याओं में ही अपनी संख्या को येन केन प्रकारेण बढ़ाने का मूल लक्ष्य सम्मिलित है। यह एक प्रामाणिक तथ्य है जिसे हम इनकी मजहबी किताबों में सरलता दे देख सकते हैं। यहीं से मतांतरण एक राष्ट विरोधी कार्य बन जाता है। भारत में ईसाईयत एवं इस्लाम की विस्तारवादी दुष्प्रवृत्ति मतांतरण का प्रमुख कारण है। ईसाईयत एवं इस्लाम दुष्प्रवृत्ति ने भारत के जातीय वर्गीकरण में असंतोष, भेद, विभेद, मतभेद, दूरियों के बीज बोए और सत्ता हथियाकर भारतीय धन-संपदा, संसाधनों को भरपूर लूटा है।

सर्विदित है कि भारत में निर्धन वर्ग को व अनुसूचित जाति व अनुसूचित जनजाति के बंधुओं को लक्ष्य बनाकर ईसाई व मुस्लिम संस्थानों द्वारा धर्मांतरण कराया जा रहा है। यह धर्मांतरण लव जिहाद, लैंड जिहाद आदि जैसे आपराधिक तरीकों से कराया जा रहा है। शिक्षा, स्वास्थ्य, नौकरी, कुछ सुविधाएँ, आदि देने के नाम पर बलात् मतांतरण के लाखों मामले देश के वायुमंडल में विष घोलते रहे हैं। डरा-धमकाकर, बहला-फुसलाकर भारतीय ग्रामीणों भी मतांतरण कराए जाने के लाखों मामले प्रतिवर्ष समाज में आते रहे हैं।

इस प्रकार के मामले सामने आने पर देश में अनेक बार सामाजिक शांति, सौहाद्र, सद्भाव बिगड़ता है व कानून व्यवस्था भंग होती है। मतांतरण के कारण देश में झगड़े, दंगे, बवाल होते हैं। अब सुप्रीम कोर्ट के इस निर्णय से आरक्षण का लाभ समाप्त होने के भय से मतांतरण की गति कम होगी।

यह निर्णय सुनिश्चित करता है कि आरक्षण का लाभ उसी उद्देश्य के लिए उपयोग हो, जिसके लिए उसे बनाया गया था।

स्वाभाविक ही है कि धर्म परिवर्तन के साथ व्यक्ति का सामाजिक नेटवर्क, संस्थागत समर्थन और जीवनशैली बदल सकती है। ऐसे में यह प्रश्न उठता है कि क्या वह पहले जैसी सामाजिक वंचना का सामना कर रहा है या नहीं?

इस निर्णय का स्वागत समूचा देश कर रहा है किंतु इसमें अभी कुछ और सुधार होना शेष है। स्ट के साथ-साथ यह नियम स्त्र पर भी लागू होना चाहिए था। देश का जनजातीय समाज भी इन विदेशी व आयातित धर्मों के दुश्चक्र का बड़ा शिकार रहा है। देश का इतिहास साक्षी है कि वनवासी समाज को बड़ी मात्रा में शिक्षा, स्वास्थ्य, आर्थिक लालच, लव जिहाद, लैंड जिहाद, डरा-धमकाकर मतांतरण के कुएँ में धकेला जाता रहा है।

सर्वोच्च न्यायालय को इस वन्दनीय निर्णय के आलोक में जनजातीय आरक्षण, मतांतरण आदि का अध्ययन करके स्वयं ही संज्ञान लेना चाहिए।

यदि शीर्ष न्यायालय ऐसा करता है तो देश में आरक्षण का लाभ

जमूरा अब लोगों से नहीं बतियाता

लोकपप्रो. मनोज कुमार

प्रतिरोध का स्वर नुक्कड़ नाटक का मूल स्वभाव है. नुक्कड़ नाटक समाज को जागृत करने की जवाबदारी स्वाधीनता के बाद से ही शुरू हो गया था. सफदर हाशमी और नुक्कड़ नाटक पर्याय माने जाते हैं. नुक्कड़ नाटक मतलब वह आवाज जो आम आदमी का होता है. हर किस्म की तकलीफ और बैचेनी को वह भीतर ही भीतर झेलता रहता है लेकिन व्यक्त करने का कोई मंच नहीं होता है और इसी बैचेनी को आवाज देने का काम नुक्कड़ नाटक करता रहा है. मौसम कैसा भी हो, जगह कोई भी हो लेकिन नुक्कड़ नाटक देखने के लिए हुजूम जुट जाता है. बोल जमूरे के साथ जब आवाज गूँजती है तो वह लोगों के दिलो-दिमाग में बैठ जाती है. कोई 15-20 मिनट का यह नुक्कड़ नाटक लोगों के मन को सालों-साल तक उद्वेलित करता है. नुक्कड़ नाटक का मकसद भी कुछ ऐसा ही है. नुक्कड़ नाटक समाज की अपरिहार्य आवाज है और इस बारे में चिंता करना जरूरी है. यह वैचारिक आंदोलन है और इसके साथ ही शिक्षित और अशिक्षित दोनों समाज को नुक्कड़ नाटक जीवित रखता है. विश्व रंगमंच दिवस के अवसर पर नुक्कड़ नाटक के अतीत और भविष्य पर चर्चा करना जरूरी हो जाता है.

समाज में जो कुछ घट रहा है, उसे दिखाने और बताने की जवाबदारी रंगमंच और सिनेमा की है. समाज के भीतर होने वाली नकरात्मक घटनाओं और उससे पडने वाले परिणामों के बारे में हमें सचेत होने की जरूरत है. आम आदमी पहले भी और अब भी आम ही बना रहता है. लगभग गूँगा और डरा हुआ. फिर उसके साथ समाज, शासन, सरकार कितने भी जुल्म-ज्यादती करे, वह डरा सहमा हर आदेश को मानने के लिए मजबूर होता है. ऐसे में नुक्कड़ नाटक हमसे सीधा संवाद करता दिखता था. समाज से सीधे संवाद का यह प्रभावी माध्यम है और हमने लगभग नुक्कड़ नाटक को भुला दिया है, वैसे ही जैसे अब श्रमिक आंदोलन की गूँज हमें सुनाई नहीं देता है. गुम होती या अपनी उपस्थिति दर्ज ना कराती ऐसी बहुत सी आवाज गुम हो रही हैं या खामोश बैठी हैं.

प्रतिरोध का स्वर नुक्कड़ नाटक का मूल स्वभाव है. सरकारों के खिलाफ आम आदमी को जागृत करने के लिए नुक्कड़ नाटकों का प्रदर्शन सार्वजनिक स्थलों पर किया जाता था. रंगमंच और सिनेमा के लिए भारी-भरकम लागत की जरूरत होती थी और वहीं लगभग शून्य लागत में नुक्कड़ नाटक का प्रदर्शन संभव होता था. प्रदर्शन में कलाकार का अभिनय प्रभावी किंतु सबकुछ सांकेतिक. बहुतेरे लोगों की नजर में यह प्रतिगामी आवाज थी. शोषण, बेरोजगारी, महंगाई, रूढ़िवादी परम्परा के साथ अराजकता के खिलाफ सड़कों पर युवाओं की टोली आवाज बुलंद करती थी. कोई पाँच-दस युवाओं की टोली, कोई तामझाम नहीं, कोई बड़ी प्रापर्टी नहीं और प्रदर्शन शुरू. बुलंद आवाज के साथ लोगों को झकझोर कर रख देती थी. लोग सोचने को मजबूर होते थे और समाज में जड़ता के खिलाफ मन बनने लगता था. सत्ता और सरकार के लिए नुक्कड़ नाटक हमेशा से परेशानी का सबब रहा है क्योंकि समाज के साथ सीधे संवाद से क्रांति ना सही, बगावत ना सही लेकिन एक राय तो जरूर बनता था. और यही बदलाव सत्ता और सरकार की परेशानी का कारण था. बीते दो-तीन दशकों में नुक्कड़ नाटक हाशिये पर है. जमूरा अब लोगों से नहीं बतियाता है.

समाज से सीधे संवाद करते नुक्कड़ नाटक का प्रभाव इतना है कि उससे डरने वाली सत्ता और सरकार ने स्वयं के प्रचार के लिए साधन बना लिया. सरकार की योजनाओं को आम आदमी तक पहुँचाने के लिए नुक्कड़ नाटक के माध्यम से प्रयोग किया जाने लगा. सरकारी प्रचार तंत्र का एक किस्म का भोंपू बना दिया गया नुक्कड़ नाटक. भारी-भरकम बजट के साथ नुक्कड़ नाटकों के प्रदर्शन का सिलसिला आरंभ हो गया. गाँव-कस्बों में सैकड़ों के हिसाब से नुक्कड़ नाटक का ठेका दिया जाने लगा लेकिन इसके प्रभाव के आंकलन का कोई ठोस आधार निर्मित नहीं किया गया. सबसे खास बात यह है कि नुक्कड़ नाटक में वे लोग लगे हुए हैं जिन्हें शायद रंगकर्म का अ,ब,स ना मालूम हो. बदलते समय में नुक्कड़ नाटक ना तो प्रतिरोध का स्वर रहा और ना जागरूकता का संदेश, अपितु यह पूर्ण रूप से रोजगार का माध्यम बन गया. हाँ, धन्यवाद कर सकते हैं देशभर के उन शैक्षिक संस्थानों को जहाँ जन-जागरूकता के लिए आज भी नुक्कड़ नाटकों का प्रदर्शन किया जा रहा है. कभी आंशिक प्रतिरोध का स्वर होता है तो सामाजिक कुरीतियों या अक्षर ज्ञान, बीमारियों के खिलाफ जगाने का काम कर रही हैं. इन लोगों ने नुक्कड़ नाटक को जिंदा रखे हुए हैं, यह राहत की बात है.

नुक्कड़ नाटक को सोशल मीडिया ने भी खत्म किया है, यह भी माना जाना चाहिए. तमाम तरह की स्वच्छंदता और अनगढ़ विचारों से लबरेज सोशल मीडिया एकतरफा चला जा रहा है. सोशल मीडिया विचारों का मंच होना चाहिए और नुक्कड़ नाटक का वैकल्पिक मंच बने इस दिशा में भी चिंता करना चाहिए. एक अर्थ में देखें तो सोशल मीडिया भी एक नुक्कड़ है तो यहाँ क्यों नहीं नुक्कड़ नाटक का मंच बनाना चाहिए. छोटे और विचारवान नाटक समाज की आवश्यकता है. इससे इतर नुक्कड़ नाटक के मूल स्वरूप की चिंता करना, चर्चा करना और उसे वापस उसी स्वरूप में लौटाने की जरूरत है. नुक्कड़ नाटक इस बात की भी तस्दीक करता है कि युवा वर्ग बाजार का शिकार नहीं है बल्कि वह अपनी जिम्मेदारी भी समझता है.(लेखक वरिष्ठ पत्रकार एवं मीडिया शिक्षा से संबद्ध हैं)

'हृदय की गूंज हैं - मर्यादा पुरुषोत्तम श्रीराम'

डॉ. सूर्यकांत मिश्रा
राजनांदगांव (छत्तीसगढ़)

भगवान श्रीराम सनातन संस्कृति को प्रगाढ़ करने वाले अग्रणी ईश्वर माने जाते हैं । उन पर आस्था और अटूट विश्वास ही हिंदू धर्म को महान बनाता है । मर्यादित जीवन के चलते ही उन्होंने मर्यादा पुरुषोत्तम के रूप में सनातन धर्मावलंबियों को बड़ा संदेश दिया । भगवान श्रीराम ही एक मात्र ऐसे ईश्वर हुए हैं जिन्होंने मृत्युलोक में अवतार लेकर धर्म , सत्य , त्याग और नैतिकता का सर्वोच्च आदर्श स्थापित किया । उनकी जन्मस्थली अयोध्या में बने राम मंदिर को हम राष्ट्र की सांस्कृतिक विरासत और पुनर्जागरण का प्रतीक मानते हैं । हमारे धर्म ग्रन्थ हमें बताते हैं कि प्रभु श्रीराम ने अपने जीवन की हर परिस्थिति में धर्म और नैतिकता का पालन किया । इसी महान गुण के चलते पूरी दुनिया के हिंदुओं ने उन्हें मर्यादा पुरुषोत्तम के रूप में अपना आराध्य माना । हम अपने आराध्य प्रभु श्रीराम को केवल एक देवता मानकर उनकी पूजा करें , यह उचित नहीं । वे भारतवर्ष के प्राण और सनातन जगत की आस्था के मूल आधार हैं । अयोध्या नगरी में रामलला की प्राण प्रतिष्ठा ने भारतवर्ष के सांस्कृतिक और आध्यात्मिक पुनर्जागरण को नई ऊर्जा प्रदान की है । भगवान श्रीराम का स्मरण , उनके द्वारा स्थापित मूल्यों का अनुसरण और अयोध्या के भव्य मंदिर में स्थापित रामलला का दर्शन जन - जन को धर्म के मार्ग पर चलने और विपरीत परिस्थितियों में भी अडिग रहने की प्रेरणा देता है ।

हमें यह याद रखना होगा कि प्रभु श्रीराम मात्र एक नाम नहीं - वे भारत वंशियों के हृदयों की गूंज हैं । वे ही हमारी आत्मा और मन का सार हैं । जीवन का आधार भी प्रभु श्रीराम ही हैं । वही एक मात्र देव हैं जिनके माध्यम से भारतवर्ष को सच्चा अर्थ मिलता है । हम कह सकते हैं कि मर्यादा पुरुषोत्तम ही भारतवर्ष के पर्याय और प्रतिबिंब हैं तथा भारतवर्ष उनका प्रतिबिंब है । प्रभु श्रीराम और भारतवर्ष को कभी अलग नहीं किया जा सकता । कारण यह कि श्रीराम ही भारतवर्ष की आत्मा हैं । हमारे प्रभु का जीवन वृत्तांत अद्भुत है । जो भी उनके वृत्तांत को चित्रित करता है , उन्हें जीता है , उनके विषय में लिखता है और उनकी मर्यादा का बखान करता है , वह मानवीय समाज की गहरी श्रद्धा का सर्वोत्तम केंद्र बिंदु बन जाता है । भगवान श्रीराम के सुख - दुःख , विजय - पराजय , मान - सम्मान और अपमान में हम अपने सुख - दुःख , विजय - पराजय , मान - सम्मान और अपमान का अनुभव करते हैं । हमारा हृदय ऐसा कहते प्रतीत होता है - प्रभु श्रीराम की खुशी में संसार हंसता और खिलखिलाता है , तो उनके दुःख में आंसू बहा रहा होता है । प्रभु श्रीराम का चरित्र अगाध गुणों का समुद्र है , जिसमें सारे ऋषि - योगी एवं भक्त - संत हंस रूप में विचरण करते हुए मोती चुनते हैं । वे इतिहास के सबसे ' तेजोमय ' महा नक्षत्र माने जाते हैं ।

भारतवर्ष की संस्कृति को पहचान दिलाने वाला कोई चेहरा है तो वह प्रभु श्रीराम का चेहरा ही है । उनकी जीवनगाथा पर आधारित रामायण और रामचरित मानस हमारी अमर कृति होने के साथ ही अमर परंपरा का आधार हैं । इस कलयुग में भी रामायण ही वह पवित्र ग्रंथ है , जिसे हम भारतीय समाज की चेतना का महाकाव्य कह सकते हैं । गहराई में झांका जाए तो रामायण जैसा महान ग्रन्थ किसी पंथ , परंपरा , भाषा , राष्ट्र तथा संस्कृति में दुर्लभ है । दुनिया की किसी धार्मिक परंपरा ने दाम्पत्य जीवन को लेकर महाकाव्य नहीं रचा ! हमारे भारतवर्ष का स्वाभाविक

इतिहास रामायण , पवित्र दांपत्य जीवन का महाकाव्य ही है । इसमें किसी प्रकार के संशय के लिए कोई स्थान नहीं है । मेरा मन जब अशांत होता है तब पाश्चात्य संस्कृति पर चिंतन करते हुए परेशान हो उठता हूं । हमारा आज का युवा समाज पाश्चात्यों की संस्कृति में उलझा हुआ है ! पाश्चात्य संस्कृति पर आधारित अ - समृद्ध समाज ही हमारे युवक - युवतियों का आदर्श बन चुका है ! ऐसे दीन - हीन हालातों में मैं जब अपने अचेतन मन को कुरेदता हूं तब एक आवाज मेरे कानों में गूंज उठती है - ' हमारी नाव डूबने से तभी बच सकेगी जब हमारा रोम - रोम यह कह उठेगा कि राम ही हमारे आदर्श हैं और भारत भूमि हमारी माता । ' क्या हम इस सच्चाई से मुंह मोड़ सकते हैं कि राम चरित मानस का जादू ही हम पर चल रहा है , और हम अपनी शास्त्रोक्त परंपरा का अनुसरण कर पा रहे हैं । घर में संतान का जन्म हो तो राम जन्म के गीत (सोहर) गूंजने लगते हैं । विवाह के अवसर पर वर - वधु को राम - सीता अथवा लक्ष्मी - नारायण का स्वरूप मानकर पूजा जाता है । एक - दूसरे से मेल - मुलाकात में राम - राम ही हमारा अभिवादन हुआ करता है । अंत समय में जब हमारी आत्मा हमें छोड़ जाती है तब यही राम नाम हमारी अंतिम यात्रा का उद्घोष बन जाता है । ' राम नाम सत्य है ' .. की गूंज के साथ हमारी काया पंचतत्व में विलीन हो जाती है ।

जीवन के अंत में आसरा भी उसी राम नाम का है । बीती शताब्दी में विख्यात संस्कृत के ज्ञाता दाधीच ने लिखा है :-

' स्त्री सखा अपत्य है , भाव ये असत्य हैं ,
एक नाम सत्य है , राम नाम सत्य है ..। '

कैलिफोर्निया विश्वविद्यालय में संस्कृत के प्रोफेसर रॉबर्ट गोल्डमैन लिखते हैं :-

' किसी भी स्थान पर , किसी भी समय में रचित कुछ ही रचनाएं वाल्मीकि रामायण जैसी महान और प्राचीन संस्कृत महाकाव्य जितनी लोकप्रिय , प्रभावशाली , अनुकरणीय और सफल रही हैं । '

रामायण के अरण्य कांड में , राक्षस मारीच (रावण का मामा) को जब रावण ने प्रभु श्रीराम का ध्यान भटकाने के लिए सोने के हिरण का रूप धारण करने के लिए कहा तो मारीच ने प्रभु श्रीराम का वर्णन करते हुए रावण को इस दुस्साहस के लिए चेतावनी दी ! मारीच ने कहा - ' रामो विग्रहवान धर्मस्सधुसत्य पराक्रमः ' अर्थात राम धर्म के अवतार हैं । एक धर्मनिष्ठ व्यक्ति , जिसकी शक्ति सत्य है , उसके साथ छल का परिणाम ठीक नहीं होगा ! अपने धर्म ग्रन्थ रामायण अथवा रामचरित मानस का अध्ययन कर हम सब यह जानते हैं कि प्रभु श्रीराम तब महान नहीं हुए जब वे शासन कर रहे थे बल्कि उन्हें महानता तब मिली जब वे संघर्ष कर रहे थे । प्रभु श्रीराम के वे गुण जिन्होंने उन्हें मर्यादा पुरुषोत्तम बनाया , वे अयोध्या में राजसी सत्ता के केंद्र में नहीं बल्कि वनवास में प्रकट हुए ! हम देखते हैं कि उनकी विनम्रता , उदारता और धैर्य जैसे उत्कृष्ट गुण वनवास के दौरान विभिन्न घटनाओं में प्रकट हुए ! प्रभु श्रीराम की विनम्रता और मर्यादा का चित्रण उस समय हमारे समक्ष आता है जब रावण से प्रथम दिन के युद्ध से पूर्व वे रावण की विद्वता के प्रति श्रद्धा पूर्वक उनके समक्ष नमन करते हैं !

संक्षिप्त समाचार

गुरु बालकदास जी के शहादत दिवस पर श्रद्धांजलि सभा का आयोजन

मूक पत्रिका/बेमेतरा – महान प्रतापी, शूरवीर एवं बलिदानी राजा गुरु बालकदास जी के शहादत दिवस के अवसर पर बीते शनिवार को बहुनवागांव रोड स्थित गुरु बालकदास स्मृति स्थल, सतनाम धाम पिकरी में श्रद्धांजली सभा का आयोजन हुआ । इस अवसर पर सामाजिक बंधुओं ने गुरु बालकदास जी के तैल चित्र पर पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि दी और उनके महान व्यक्तित्व को नमन किया। उपस्थित सामाजिक लोगों ने उनके त्याग, वीरता और समाज के प्रति समर्पण को याद करते हुए उनके आदर्शों पर चलने का संकल्प लिया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में समाज के गणमान्य नागरिक, युवा एवं श्रद्धालु उपस्थित रहे। सभी ने एक स्वर में कहा कि गुरु बालकदास जी का जीवन समाज के लिए प्रेरणास्त्रोत है और उनके सिद्धांतों को अपनाकर ही समाज को नई दिशा दी जा सकती है।

स्वास्थ्य परीक्षण एवं रक्त दान शिविर आज , शिविर को सफल बनाने गुरु खुशवंत ने किये है अपील

मूक पत्रिका/ आरंग। आज मंत्री गुरु खुशवंत साहेब के जन्मदिन पर पीएमश्री अरूंधति स्कूल आरंग में स्वास्थ्य एवं रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया है। जिसमें रायपुर के श्रीनारायणा एवं क्योरबे हास्पीटल की टीम उपस्थित होकर सेवाएं देंगे। शिविर प्रातः 9 से 1 बजे तक रहेगा। जिसमें जनरल मेडीसीन,स्त्री, हड्डी,शिशु ,दंत ,नेत्र व त्वचा रोग के विशेषज्ञ डाक्टर उपस्थित होकर सेवाएं देंगे। साथ ही रक्तदान शिविर भी रखा गया है।इस अवसर पर कैबिनेट मंत्री गुरु खुशवंत साहेब स्वयं उपस्थित होकर लोगों व रक्त दाताओं का उत्साह वर्धन करेंगे।वहीं मंत्री गुरु खुशवंत ने शिविर में अधिक से अधिक लोगों को पहुंचकर अपनी स्वास्थ्य जांच एवं रक्तदान करने की अपील किए हैं।

रेशम के खेती ले बढात हे रोजगार, सुघ्घर छत्तीसगढ़, अउ खुशहाल परिवार : बी.एल.उइके सहायक संचालक रेशम विभाग बिलासपुर

बिलासपुर। बिलासपुर कार्यालय सहायक संचालक रेशम विभाग रामेश्वर ध्रुव रेशम विभाग फिल्ड आफिसर से मिली जानकरी के अनुसार रेशम कृमिपालन का कार्य मुख्य रूप से पिछड़े क्षेत्र के गरीबी रेखा से निचे जीवन यापन करने वाले हितग्राहियों द्वारा किया जाता हैं द्य क्रिमिपालन कार्य कृषि एवं घरेलु कार्यो के साथ ही किया जाता हैं द्य जिले में कोसाफल का उत्पादन केंद्र एवं वनखंडो में उपलब्ध साजा एवं अर्जुन के पौधो पर स्थानीय एवं वन समिति के हितग्राहियों द्वारा किया जाता हैं द्य कोसा उत्पादन का कार्य जून से जनवरी माह तक किया जाता हैं और इस दौरान तीन फसल में हितग्राहियों द्वारा प्रति फसल ओसतन 15 से 20 हजार रुपये का आर्थिक लाभ प्राप्त किया जाता हैं कोसा क्रिमिपालन हेतु हितग्राहियों को सभी सुविधाओ व तकनिकी मार्गदर्शन विभाग द्वारा निशुल्क प्रदान किया जाता हैं और उत्पादन कोसफलों का विक्रय खुले बाजार में या रेशम विभाग द्वारा संचालित ककून बैंक द्वारा समर्थन मूल्य पर क्रय किया जाता हैं

बस की पहली सीट पर विराजमान हुए संकट मोचन हनुमान

बिलासपुर से रवाना हुआ 1008 रामभक्तो रथ..अयोध्या नगरी में करेंगे रामलाल के दर्शन

■ 25 एसी बसों में निकला विशाल जत्था रामधाम अयोध्या , केंद्रीय मंत्री सहित सभी अतिथियों ने भगवा ध्वज दिखाकर किया रवाना

बिलासपुर। चैत्र नवरात्र की आस्था में डूबा बिलासपुर बुधवार दोपहर फिर एक बार 'जय श्रीराम' की गूंज से प्रफुल्लित हो उठा। शहर के सिविल लाइन पुलिस मैदान से इस वर्ष 25 बसों और 10 कारों में सवार 1008 श्रद्धालुओं का विशाल जत्था अयोध्या धाम के लिए रवाना हुआ। दोपहर एक बजे अतिथियों द्वारा हरी झंडी दिखाते ही पवनपुत्र हनुमान की प्रतिमा के साथ यात्रा का शुभारंभ हुआ और वातावरण भक्ति से सरोबार हो गया। सिविल लाइन पुलिस मैदान बुधवार सुबह से ही भगवा वेशभूषा, तिलक और जयकारों से गूंज रहा था। मंच पर मुख्य अतिथि केंद्रीय कोयला एवं खनन राज्य मंत्री सतीश चंद्र दुबे, उपमुख्यमंत्री अरुण साव, पूर्व मंत्री एवं विधायक अमर अग्रवाल, विधायक धरमलाल कौशिक, धर्मजीत सिंह, सुशांत शुक्ला, अटल श्रीवास्तव, जिला पंचायत अध्यक्ष राजेश सूर्यवंशी, महापौर पूजा विधानी, भाजपा शहर जिला अध्यक्ष दीपक सिंह, कलेक्टर संजय अग्रवाल, आईजी राम गोपाल गर्ग, एसएसपी रजनेश सिंह, तथा राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के राजकुमार सचदेव ने भक्तों को रवाना किया। दोपहर ठीक 12.50 बजे मंच से महाआरती की गई, जिसके साथ पूरा परिसर 'जय श्रीराम' के उद्घोष से सराबोर हो उठा। हर बस में इस बार भी एक टीम लीडर और पांच स्वयंसेवकों की टोली तैनात की गई है। एंबुलेंस, मेडिकल स्टाफ, सुरक्षा दल और कंट्रोल टीम यात्रा के साथ रवाना हुई। यात्रा की शुरुआत इस वर्ष भी विशेष रही। सबसे पहले हनुमान जी की प्रतिमा को प्रथम सीट पर विराजित कर विधिवत पूजन किया गया। इसके बाद यात्रियों को पटका, आईडी कार्ड, प्रसाद,भोजन,जल और यात्रा सामग्री वितरित की गई। आकर्षक मंच, सुबह से जमघट और स्वागत गीतों ने माहौल को और अधिक आध्यात्मिक बना दिया। अतिथियों ने इसे बिलासपुर की सांस्कृतिक पहचान बताते हुए कहा कि हजारों लोग जिस अनुशासन और भक्ति से इस यात्रा में शामिल होते हैं, वह शहर की एक नई पहचान बन चुकी है। अतिथियों ने सभी यात्रियों को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि भगवान श्रीराम की नगरी तक यह यात्रा श्रद्धा, अनुशासन और सेवा का अनुपम उदाहरण है। रामभक्त हनुमान प्रथम यात्री, सुरक्षा और श्रद्धा दोनों के प्रतीक– अयोध्या दर्शन यात्रा समिति के सदस्य रौशन सिंह ने कहा कि यात्रा का शुभारंभ हमेशा की तरह पवनपुत्र हनुमान की प्रतिमा को प्रथम सीट पर विराजित कर किया गया। समिति के सदस्यों ने विधिवत पूजा–अर्चना कर उन्हें यात्रा का पथप्रदर्शक घोषित किया। मान्यता है कि हनुमान जी की उपस्थिति से पूरा जत्था सुरक्षित, अनुशासित और सफलतापूर्वक अयोध्या धाम पहुंचता है। यात्रियों ने भी हाथ जोड़कर प्रणाम किया और जयकारों के साथ उत्साहपूर्वक बसों में सवार हुए। 25 बसें और 10 कार,व्यवस्था का शानदार प्रबंधन – इस वर्ष यात्रा का स्वरूप और भी विशाल रहा। कुल 25 एसी बसें और 10 कारें यात्रियों तथा सेवादल के साथ रवाना हुईं। हर वाहन में सुरक्षा व्यवस्था, चिकित्सा सामग्री, पानी, पर्याप्त भोजन और आपात व्यवस्थाएं उपलब्ध कराई गईं। टीम लीडर, स्वयंसेवक और निगरानी दल लगातार संपर्क में रहेंगे। पूरी व्यवस्था को आधुनिक संचार तंत्र से जोड़ा गया है ताकि हर वाहन की लाइव लोकेशन और स्थिति पर नजर बनी रहे। भीड़, भक्ति और भव्यता,पुलिस मैदान में उत्सव जैसा माहौल – सुबह से ही पुलिस मैदान में श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ पड़ी। महिलाओं, युवाओं और वरिष्ठ नागरिकों में गजब का उत्साह देखा गया।

दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे,मुख्यालय,बिलासपुर में क्षेत्रीय राजभाषा कार्यान्वयन समिति की 76वीं बैठक संपन्न

बिलासपुर। क्षेत्रीय राजभाषा कार्यान्वयन समिति, बिलासपुर की 76वीं बैठक श्री तरूण प्रकाश, महाप्रबंधक, दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे, बिलासपुर की अध्यक्षता में आज दिनांक 25 मार्च 2026 को महाप्रबंधक सभाकक्ष में संपन्न हुई । इस अवसर पर रेलवे बोर्ड की व्यक्तिगत नगद पुरस्कार योजना तथा क्षेत्रीय हिंदी प्रतियोगिता–2025 के पुरस्कार विजेताओं को महाप्रबंधक, श्री तरूण प्रकाश के करकमलों से पुरस्कृत किया गया । तदुपरांत क्षेत्रीय राजभाषा कार्यान्वयन समिति, बिलासपुर के उपाध्यक्ष श्री शिवशंकर लकड़ा ने बैठक की कार्यसूची प्रस्तुत की, जिस पर सदस्यों द्वारा विस्तारपूर्वक चर्चा की गई। इस अवसर पर समिति के अध्यक्ष एवं महाप्रबंधक, श्री तरूण प्रकाश ने कहा कि हिंदी भाषा में सरकारी कामकाज करना उतना जटिल नहीं है, जितना कि उसे समझा जाता है । बैठक में सभी मदों पर विस्तापूर्वक चर्चा की गई तथा हिंदी में कामकाज संतोषजनक पाया गया। उन्होंने निर्देश दिये कि राजभाषा हिंदी के प्रयोग–प्रसार हेतु सभी मदों में गृह मंत्रालय द्वारा निर्धारित लक्ष्यों को प्राप्त किया जाए । यह कार्यालय 'क' क्षेत्र में आता है और अधिकांश कार्मिक हिंदी भाषी हैं, इसलिए समस्त कामकाज हिंदी भाषा में ही किये जाएं । समिति के उपाध्यक्ष श्री शिवशंकर लकड़ा, मुख्य राजभाषा अधिकारी एवं मुख्य सामग्री प्रबंधक – । ने कहा कि इस बैठक में गृह मंत्रालय द्वारा निर्धारित लक्ष्यों के अनुसार इस रेलवे में दिसंबर 2025 को समाप्त तिमाही में हुई राजभाषा प्रगति की समीक्षा की गई । संसदीय राजभाषा समिति द्वारा महाप्रबंधक कार्यालय, रायपुर मंडल तथा रायपुर कारखाना में किये गये निरीक्षण के संबंध में आवश्यक दिशा–निर्देश जारी किये गये हैं । उन्होंने सभी सदस्यों से इन निर्देशों का अनुपालन करने का अनुरोध किया । क्षेत्रीय राजभाषा कार्यान्वयन समिति, बिलासपुर की 76वीं बैठक का संचालन श्री शिवशंकर लकड़ा, मुख्य राजभाषा अधिकारी एवं मुख्य सामग्री प्रबंधक – ।

दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे में क्षय रोग (टीबी) जैसी गंभीर बीमारी के खिलाफ जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन

बिलासपुर। भारत, राष्ट्रीय टीबी उन्मूलन कार्यक्रम (एनटीईपी) के तहत केंद्रित उपायों के ज़रिए टीबी को खत्म करने के अपने लक्ष्य में लगातार तरक्की कर रहा है। प्रधानमंत्री टीबी मुक्त भारत अभियान (पीएमटीबीएमबीए) और निक्षय पोषण योजना (एनपीवाई) जैसी प्रमुख पहल, सामुदायिक भागीदारी को बढ़ावा दे रही हैं, पोषण संबंधी सहायता सुनिश्चित कर रही हैं और उपचार के पालन में सुधार कर रही हैं। निक्षय पोर्टल निगरानी और रोगी देखभाल को और मजबूत करता है। टीबी को खत्म करने का भारत का लक्ष्य दुनिया के सबसे महत्वाकांक्षी स्वास्थ्य मिशनों में से एक है। राष्ट्रीय क्षय रोग उन्मूलन कार्यक्रम (एनटीईपी) के तहत, भारत ने उन्नत निदान, नवीन नीतियों और रोगी प्रथम दृष्टिकोण के साथ, टीबी के प्रति अपने उपायों को मजबूत किया है। प्रत्येक वर्ष 24 मार्च को विश्व क्षय रोग दिवस मनाया जाता है, जिसका उद्देश्य क्षय रोग (टीबी) के प्रति जागरूकता फैलाना, इसके प्रभाव को कम करना तथा इसके उन्मूलन के लिए वैश्विक एवं राष्ट्रीय स्तर पर प्रयासों को सुदृढ़ करना है। यह दिन हमें याद दिलाता है कि टीबी आज भी एक गंभीर सार्वजनिक स्वास्थ्य चुनौती बनी हुई है, जो लाखों लोगों को प्रभावित करती है। इसी क्रम मे दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे के चिकित्सा विभाग द्वारा केन्द्रिय चिकित्सालय बिलासपुर, मण्डल चिकित्सालय रायपुर एवं उपमंडल चिकित्सालय, चरोदा भिलाई में विशेष जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया, इस कार्यक्रम के माध्यम से टीबी के प्रभाव, इसके कारणों, लक्षणों जैसे लगातार खांसी, बुखार, वजन घटना तथा उपलब्ध उपचारों के बारे में विस्तृत जानकारी प्रदान की गई और बताया गया कि समय पर पहचान और सही उपचार से इस बीमारी को पूरी तरह ठीक किया जा सकता है।

एटीआर सुरही रेंजर,डिप्टी रेंजर 50 हजार रुपए रिश्वत लेते पकड़े गए,चालान जल्द पेश करने..

■ जप्त वाहन को वापस करने मांगी गई थी रिश्वत रकम : डीएसपी अजितेश सिंह एसीबी बिलासपुर

बिलासपुर डीएसपी एसीबी बिलासपुर अजितेश सिंह ने बताया कि लोरमी जिला मुंगेली निवासी अजीत कुमार वैष्णव द्वारा एसीबी इकाई बिलासपुर में इस आशय की शिकायत की गई थी कि माह दिसंबर 2025 में वह अपने साथियों के साथ सुरही रेंज में चार पहिया वाहन लेकर घूमने गया था जहां पर उन लोगों द्वारा एयर गन लेकर एक रील बना लिया गया था जोकि बाद में वायरल हो गया था।रील वायरल होने पर उसके तथा उसके अन्य साथियों के विरुद्ध वन विभाग द्वारा कार्यवाही की गई थी तथा उसके वाहन को जप्त कर लिया गया था तथा वे लोग करीब 18 दिन जेल में भी थे।जेल से छूटने के बाद वह प्रकरण में जल्द चालान पेश करने के लिए सुरही रेंज के डिप्टी रेंजर श्री मनीष श्रीवास्तव से मिला तो श्री श्रीवास्तव द्वारा चालान पेश करने के लिए 4 से 5 लाख रुपए तक खर्चा आने और वाहन को छोड़ने के एवज में 70 हजार रुपए खर्चा आना बताकर रिश्वत की मांग की गई जोकि वह उक्त राशि रिश्वत के रूप में उन्हें नहीं देना चाहता बल्कि उनके विरुद्ध कार्यवाही चाहता है। शिकायत का सत्यापन कराने पर शिकायत सही पाई गई जिस पर ट्रैप की योजना तैयार की गई । आज दिनांक 26.03.26 को प्रार्थी को संबंधित को रिश्वत राशि देने हेतु मित्र मिलन रेस्टोरेंट कोटा में भेजा गया जहां प्रार्थी द्वारा मनीष श्रीवास्तव को मांगी गई रिश्वत राशि में से प्रथम किश्त की राशि 50000 दिया गया जिस पर एसीबी टीम द्वारा मनीष श्रीवास्तव को त्वरित रूप से पकड़ लिया गया। कार्यवाही स्थल पर मनीष श्रीवास्तव के साथ रेंजर पल्लव नायक भी वहां उपस्थित थे जिनके द्वारा भी प्रार्थी से रिश्वत की मांग मौके पर करना पाया गया । प्रार्थी से ली गई राशि 50000 रुपए को आरोपी मनीष श्रीवास्तव से बरामद कर लिया गया है। एसीबी के द्वारा आरोपी मनीष श्रीवास्तव के विरुद्ध धारा 7 और आरोपी पल्लव नायक के विरुद्ध धारा 7,12 भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम 1988 के तहत कार्यवाही की जा रही है।गौरतलब है कि एसीबी के द्वारा भ्रष्ट अधिकारियों /कर्मचारियों के खिलाफ लगातार कार्यवाही की जा रही है इसी अनुक्रम में उक्त बड़ी कार्यवाही आज की गई ।

अनूपपुर स्टेशन में संरक्षा संगोष्ठी का आयोजन किया

■ सतर्कता, सजगता एवं कार्य कुशलता पर दिया गया विशेष बल

■ समर प्रिकॉशन एवं ट्रैक डी–स्ट्रेसिंग पर विशेष चर्चा एवं प्रशिक्षण

बिलासपुर। मंडल संरक्षा विभाग, बिलासपुर द्वारा रेल संरक्षा को सुदृढ़ बनाने, कर्मचारियों में सतर्कता, सजगता एवं कार्य कुशलता को बढ़ावा देने तथा ग्रीष्मकालीन चुनौतियों के प्रति जागरूकता लाने के उद्देश्य से अनूपपुर स्टेशन पर एक संरक्षा संगोष्ठी का आयोजन किया गया। यह संगोष्ठी मंडल रेल प्रबंधक श्री राकेश रंजन के मार्गदर्शन एवं वरिष्ठ मंडल संरक्षा अधिकारी श्री साकेत रंजन के निर्देशन तथा उनकी उपस्थिति में संपन्न हुई। संगोष्ठी में स्टेशन मास्टर, एसएसई, जेई, डीटीआई, लोको पायलट, सहायक लोको पायलट, प्वाइंट्समैन, गेटमैन, टेक्नीशियन एवं गेंगमैन सहित विभिन्न विभागों के कर्मचारियों ने सक्रिय सहभागिता की। इस दौरान संभावित दुर्घटनाओं के कारणों पर विस्तार से चर्चा की गई तथा दुर्घटनाओं की रोकथाम हेतु आवश्यक सावधानियों एवं उपायों पर विशेष बल दिया गया। कार्यक्रम के दौरान ग्रीष्मकालीन सावधानियों एवं ट्रैक डी–स्ट्रेसिंग की प्रक्रिया पर विशेष रूप से विस्तृत जानकारी एवं प्रशिक्षण प्रदान किया गया, जिससे उच्च तापमान के दौरान ट्रैक की सुरक्षा सुनिश्चित की जा सके। इसके अतिरिक्त स्पीड प्रतिबंध, वर्कसाइट प्रोटेक्शन, शंटिंग के दौरान सुरक्षा उपाय, लोड स्थिरीकरण, इंटरलॉक एवं नॉन–इंटरलॉक प्वाइंट्स पर सावधानियां, ओएचई ब्लॉक के दौरान सुरक्षा, साइडिंग में लोडिंग–अनलोडिंग के समय अपनाई जाने वाली सावधानियां एवं आपदा प्रबंधन जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर भी विस्तृत जानकारी दी गई। इसके अतिरिक्त सिविल डिफेन्स के श्री घनश्याम सिंह राज द्वारा अग्निशमन प्राथमिक उपचार एवं जीवन रक्षक सीपीआर का व्यावहारिक प्रशिक्षण प्रदान किया गया, जिससे आपातकालीन परिस्थितियों में त्वरित एवं प्रभावी सहायता सुनिश्चित की जा सके। इस अवसर पर वरिष्ठ मंडल संरक्षा अधिकारी श्री साकेत रंजन ने कर्मचारियों को संरक्षा नियमों का कड़ाई से पालन करते हुए सतर्कता एवं सजगता के साथ कार्य करने का संदेश दिया।

स्वर्गीय लखीराम अग्रवाल स्मृति अखिल भारतीय टी 20 डयूस बॉल क्रिकेट प्रतियोगिता में छत्तीसगढ़ की टीम ने शानदार प्रदर्शन किया गया,दो मैच जीते

■ आईजी रामगोपाल गर्ग ने कहा –इंटरनेशनल मैच की तरह रघुराज स्टेडियम में खिलाड़ियों का शानदार प्रदर्शन, महापौर पूजा विधानी तथा राजेश सूर्यवंशी ने भी दूधिया रोशनी में क्रिकेट खेल का आनंद लिया।

बिलासपुर। स्वर्गीय लखीराम अग्रवाल स्मृति अखिल भारतीय ड्यूस बाल टी –20 क्रिकेट प्रतियोगिता में आज राजा रघुराज स्टेडियम में दिल्ली और छत्तीसगढ़ की टीम के बीच रोमांचक मैच हुआ, जिसमें छत्तीसगढ़ की टीम ने दिल्ली को हराकर तीन विकेट से मैच जीत लिया है। दिल्ली की टीम ने निर्धारित 20 ओवर में 144 रन बनाए थे। लेकिन छत्तीसगढ़ की टीम 19 ओवर के एक गेंद पहले ही 145 रन के लक्ष्य को पूरा कर लिया मेन आफद मैच मैच का पुरस्कार छत्तीसगढ़ की टीम के वैभव साहू दिया गया। इन्होंने तीन विकेट चटकाए और शानदार बल्लेबाजी की। इसके पहले भी छत्तीसगढ़ की टीम ने जीत हासिल की है। बिलासपुर रेंज के आईजी रामगोपाल गर्ग महापौर पूजा विधानी जिला पंचायत अध्यक्ष राजेश सूर्यवंशी ने आज खिलाड़ियों का उत्साह बढ़ाया । रघुराज स्टेडियम में आईजी रामगोपाल गर्ग ने खिलाड़ियों को उत्साह बढ़ाते हुए कहा कि स्वर्गीय लखीराम अग्रवाल की स्मृति में यहां बहुत बड़ा आयोजन किया जा रहा है। यहां का मैच अद्भुत लग रहा है, इंटरनेशनल मैच की तरह। अनुशासित टीम यहां देखने को मिल रही है। अनुशासन टीम खेल भावना हम सबको एक साथ जोड़ती है । विधायक अमर अग्रवाल ने बहुत अच्छा प्रयास किया है। खेल भावना हमारे बीच के युवाओं में बनी रहे , ताकि अपनी ऊर्जा को सही दिशा में लेकर जा सके। और ऐसे ही राष्ट्रीय प्रतियोगिता बिलासपुर स्टेडियम में लगातार होते रहे। महापौर पूजा विधानी ने भी इस खेल आयोजन की तारीफकरते हुए कहा कि स्व लखीराम अग्रवाल की स्मृति में बहुत बड़ा खेल आयोजन हो रहा है बिलासपुर के खिलाड़ियों को इस राष्ट्रीय प्रतियोगिता से बहुत कुछ सीखने का अवसर मिलेगा। जिला पंचायत अध्यक्ष राजेश सूर्यवंशी ने भी विधायक अमर अग्रवाल के इस पहल की सराहना की और स्व लखीराम अग्रवाल को याद किया। उन्होंने कहा कि विधायक अमर अग्रवाल के मार्गदर्शन में रघुराज स्टेडियम में हमेशा राष्ट्रीय खेल प्रतियोगिता होगी। नगर निगम के कमिश्नर प्रकाश सर्वे ने भी खिलाड़ियों का उत्साह बढ़ाते हुए कहा कि बिलासपुर शहर के लिए बहुत अच्छा प्रयास है। आयोजन समिति के प्रमुख प्रवीण दुबे ने अतिथियों का सम्मान करते हुए कहा कि स्वर्गीय लखीराम अग्रवाल स्मृति में आयोजित टी–20 क्रिकेटप्रतियोगिता में आठ राज्यों की बड़ी टीम यहां प्रदर्शन कर रही है। यहां राष्ट्रीय स्तर के खिलाड़ी रघुराज स्टेडियम में गेंदबाजी और बल्लेबाजी कर रहे हैं और बिलासपुर के युवा खिलाड़ियों को क्रिकेट की तकनीक देखने को मिल रहा है। राष्ट्रीय खिलाड़ियों के अनुभव का लाभ बिलासपुर के खिलाड़ियों को मिलेगा। विधायक अमर अग्रवाल के प्रयास से बिलासपुर में राष्ट्रीय स्तर का बड़ा आयोजन हो रहा है। आईपीएल की तर्ज पर आयोजन आगे भी बड़े रूप में किया जाएगा। जिसमें विजेता टीम को टी –20 कप के साथ 5 लाख की नगद राशि तथा विजेता टीम को 3 लाख की नगद राशि प्रदान की जाएगी। भाजपा के पितृ पुरुष स्वर्गीय लखीराम अग्रवाल की स्मृति में राष्ट्रीय क्रिकेट प्रतियोगिता का आयोजन बिलासपुर के खेल प्रेमियों के लिए किया जा रहा है।

संक्षिप्त समाचार

आतंकियों ने घात लगाकर किया हमला, 10 सुरक्षाकर्मियों समेत 11 लोगों की मौत

जकार्ता, एजेंसी। नाइजीरिया के उत्तर पश्चिमी प्रांत केब्बी में एक आपातकालीन सूचना पर कार्रवाई कर रहे नाइजीरियाई सुरक्षा बलों पर सशस्त्र आतंकवादियों ने घात लगाकर हमला कर दिया। इस घटना में 10 सुरक्षाकर्मियों समेत 11 लोगों की मौत हो गई। अधिकारियों ने इसकी जानकारी दी। केब्बी की प्रांतीय सरकार के प्रवक्ता याह्या सरकी के अनुसार, आतंकवादियों ने मंगलवार देर रात शांगा परिषद क्षेत्र में सुरक्षा बलों को तब निशाना बनाया, जब वे संभावित हमले की चेतावनी पर कार्रवाई करने के लिए तैनात किए जा रहे थे। उन्होंने बताया कि मरने वालों में नौ सैनिक, एक पुलिसकर्मी और स्थानीय निवासी शामिल है।

निर्बाध आ जा सकेंगे जहाज; ऊर्जा संकट कम होने की उम्मीद

तेहरान, एजेंसी। ईरान के विदेश मंत्री अब्बास अराघची ने कहा है कि उनका देश अब साथी देशों के जहाजों को होर्मुज जलडमरूमध्य से गुजरने की अनुमति देगा। इन देशों में भारत भी शामिल है, साथ में चीन, रूस, इराक और पाकिस्तान का नाम भी लिया गया है। इसका मतलब है कि भारत के जहाजों को इस रास्ते से सुरक्षित गुजरने दिया जाएगा। हालांकि, एक शर्त रखी गई है कि जहाजों को पहले ईरान के अधिकारियों से समन्वय करना होगा। यह फैसला ऐसे समय पर आया है जब इस रास्ते को लेकर पूरी दुनिया में चिंता बढ़ गई थी, क्योंकि यही रास्ता दुनिया के सबसे बड़े तेल सप्लाई रूट्स में से एक है। अगर यह बंद हो जाता, तो भारत जैसे देशों के लिए तेल की कीमतें और सप्लाई दोनों पर असर पड़ता। इसी बीच, संयुक्त राष्ट्र के महासचिव एंटोनियो गुटेरेस ने भी इस मुद्दे पर चिंता जताई है। उन्होंने कहा कि होर्मुज मार्ग के बंद रहने से तेल, गैस और खाद की सप्लाई रुक रही है, जिससे दुनिया भर में असर पड़ रहा है- खासकर खेती के समय। गुटेरेस ने अमेरिका और इस्राइल से अपील की कि वे युद्ध को जल्द खत्म करें, क्योंकि इससे आम लोगों की हालत खराब हो रही है और वैश्विक अर्थव्यवस्था पर भी भारी असर पड़ रहा है। साथ ही उन्होंने ईरान से भी कहा कि वह अपने पड़ोसी देशों पर हमले बंद करे। ईरान के इस फैसले से भारत को बड़ी राहत मिली है, क्योंकि भारत का काफी तेल इसी रास्ते से आता है। अगर यह रास्ता बंद रहता, तो पेट्रोल-डीजल महंगे हो सकते थे। ईरान ने पहले भी साफ किया था कि गैर-शत्रुतापूर्ण जहाज (यानी जो ईरान के खिलाफ नहीं हैं) इस रास्ते से गुजर सकते हैं, लेकिन अब यह नियम और सख्त कर दिया गया है, हर जहाज को पहले अनुमति और सुरक्षा नियमों का पालन करना होगा।

सैन्य सफलता को कम दिखाने की कोशिश कर रहे डेमोक्रेट्स'

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने ईरान के साथ चल रहे संघर्ष को लेकर बड़ा बयान दिया है। उन्होंने अपने राजनीतिक विरोधियों पर हमला करते हुए कहा कि 'कट्टर वामपंथी और देश-विरोधी डेमोक्रेट्स' अमेरिका की बड़ी सैन्य सफलता को कम करके दिखाने की कोशिश कर रहे हैं। ट्रंप ने दावा किया कि अमेरिका इस युद्ध में 'पूरी तरह और निर्णायक रूप से जीत रहा है' और जनता सच्चाई देख रही है। अपने 'ट्रुथ सोशल' प्लेटफॉर्म पर हाल ही में दिए गए एक अपडेट में, राष्ट्रपति ने दावा किया कि 'कट्टर वामपंथी और देश से नफरत करने वाले डेमोक्रेट, ईरान में हमारी महान सैन्य उपलब्धि से ध्यान भटकाने के लिए देश के अंदर ही अराजकता पैदा करने की कोशिश कर रहे हैं।' ईरान ने राष्ट्रपति ट्रंप के दावे को नकारा लेकिन ट्रंप के इस दावे को ईरान ने पूरी तरह खारिज कर दिया है। ईरान के एक वरिष्ठ अधिकारी ने साफ कहा कि युद्ध तभी खत्म होगा जब ईरान चाहेगा और उसकी शर्तें पूरी होंगी। ईरान ने अमेरिका के प्रस्ताव को 'हकीकत से दूर' बताते हुए ठुकरा दिया है। ईरान ने युद्ध खत्म करने के लिए कई कड़ी शर्तें रखी हैं। इनमें दुश्मन की सभी सैन्य कार्रवाइयों को रोकना, भविष्य में हमले न होने की गारंटी, युद्ध के नुकसान की भरपाई और पूरे क्षेत्र में संघर्ष खत्म करना शामिल है। साथ ही ईरान ने होर्मुज जलडमरूमध्य पर अपने अधिकार को भी मान्यता देने की मांग की है। अड़ा है कि शत्रुता की समाप्ति केवल तेहरान की अपनी शर्तों और समय-सीमा के अनुसार ही होगी।

कई दिनों से अंधेरे में डूबा क्यूबा, सैटेलाइट तस्वीरों में भी दिखा ब्लैकआउट का नजारा

तेहरान, एजेंसी। आज जब पूरी दुनिया एआई के सपनों और नए ऊर्जा विकल्पों के दम पर चमक रही है, वहीं क्यूबा जैसा देश एक गहरे अंधेरे की ओर फिसल रहा है।

इस महीने क्यूबा ने अपने इतिहास के सबसे भीषण बिजली संकट का सामना किया। हालात इतने खराब हैं कि जमीन पर फैला यह अंधेरा अब अंतरिक्ष से भी साफ नजर आने लगा है। नासा की सैटेलाइट तस्वीरों ने इस कड़वी हकीकत को पूरी दुनिया के सामने ला दिया है।

नासा के ब्लैक मार्बल नाइटटाइम सैटेलाइट डेटा की तुलना करने पर पता चलता है कि 22 मार्च 2026 को क्यूबा का एक बड़ा हिस्सा पूरी तरह अंधेरे में डूब गया था, जबकि पिछले साल इसी तारीख को वहां रोशनी जगमगा रही थी। शहरों से लेकर कस्बों तक, हर जगह कृत्रिम रोशनी में भारी गिरावट देखी गई है। इस अचानक आए ब्लैकआउट ने देश के 1 करोड़ से

ज्यादा लोगों के जीवन को प्रभावित किया है।

अंतरिक्ष से दिखा पसरा हुआ अंधेरा

नासा का ब्लैक मार्बल सिस्टम खास तौर पर रात के समय होने वाले बदलावों को ट्रैक करने के लिए बनाया गया है। यह तकनीक चांद की रोशनी, बादलों और वायुमंडलीय बाधाओं को हटाकर केवल बिजली की उपलब्धता पर नजर रखती है। क्यूबा के मामले में इन तस्वीरों ने पुष्टि की है कि वहां ग्रिड फेल होने और ईंधन की कमी के कारण अंधेरा फैला हुआ है। हवाना, सैंटियागो डी क्यूबा और कैमागुए जैसे प्रमुख शहरी केंद्र अपनी सामान्य चमक खो चुके हैं। सैटेलाइट इमेजरी में यह साफ दिख रहा है कि ये शहर अब अपनी बेसलाइन क्षमता से कहीं कम रोशनी पैदा कर रहे हैं। ग्रिड के बार-बार ठप होने से पूरा देश एक बड़े ऊर्जा संकट के जाल में फंस गया है। अंतरराष्ट्रीय ऊर्जा एजेंसी के आंकड़े बताते हैं कि क्यूबा अपनी बिजली की जरूरतों के लिए 83.3 प्रतिशत तेल उत्पादों पर निर्भर है। इसके अलावा 12.6 प्रतिशत प्राकृतिक गैस और महज 2.3 प्रतिशत जैव ईंधन का हिस्सा है। इतनी भारी निर्भरता ही क्यूबा की सबसे बड़ी कमजोरी बन गई है। क्यूबा के पास पुराने हो चुके थर्मोइलेक्ट्रिक प्लांट हैं जिन्हें चलाने के लिए लगातार ईंधन की सप्लाई चाहिए होती है। जब भी तेल की आपूर्ति में थोड़ी भी कमी आती है, बिजली उत्पादन गिर जाता है और ग्रिड पूरी तरह अस्थिर हो जाता है। वैकल्पिक ऊर्जा स्रोतों की कमी ने इस समस्या को और भी गंभीर बना दिया है।

पेरिस कोर्ट में गैरहाजिरी

तीन महिलाओं से दुष्कर्म के आरोप में मशहूर इस्लामिक स्कॉलर को 18 साल की जेल

स्विट्जरलैंड, एजेंसी। स्विट्जरलैंड के इस्लामिक स्कॉलर तारिक रमजान को बुधवार को पेरिस की एक आपराधिक अदालत ने तीन महिलाओं के साथ दुष्कर्म के आरोप में 18 साल की जेल की सजा सुनाई है। तारिक रमजान पहले ऑक्सफोर्ड यूनिवर्सिटी में समकालीन इस्लामिक अध्ययन के प्रोफेसर थे।

मी टू मूवमेंट के दौरान 2017 में फ्रांस में बलात्कार के आरोप लगने के बाद उन्हें ऑक्सफोर्ड से छुट्टी लेनी पड़ी। उन्होंने हमेशा इन आरोपों से इनकार किया है। विवादित हस्ती माने जाने वाले रमजान ने हमेशा खुद को बेकसूर बताया है। हालांकि, 2 मार्च से पेरिस में उन पर 2009 से 2016 के बीच तीन महिलाओं के साथ कथित तौर पर किए गए रेप के मामलों में मुकदमा चल रहा था, लेकिन रमजान खुद कोर्ट में पेश नहीं हुए। उनके वकील ने उनकी गैर-मौजूदगी की वजह मल्टीपल

स्क्लेरोसिस की बीमारी का बढ़ जाना बताया, जिसके लिए उन्हें जिनेवा के अस्पताल में भर्ती कराना पड़ा था। लेकिन कोर्ट के आदेश पर हुई मेडिकल जांच में इस बात को खारिज कर दिया। पीठासीन जज कोरीन गोएट्जमैन ने बताया कि 63 साल के रमजान की गिरफ्तारी के लिए वारंट जारी कर दिया गया है। कोर्ट ने स्कॉलर को सजा पूरी होने के बाद दोबारा फ्रांस की धरती पर कदम रखने से भी रोक लगा दिया है।

अपने बच्चों को जहन्नुम में न भेजें, अमेरिकी जनता से बोला आईआरजीसी

तेहरान/तेल अवीव, एजेंसी। अमेरिका और इस्राइल की ईरान पर संभावित जमीनी सैन्य कार्रवाई के खिलाफ इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स (आईआरजीसी) ने चेतावनी जारी की है। आईआरजीसी ने अमेरिका की जनता को संबोधित करते हुए कहा कि अपने बच्चों को जहन्नुम में न भेजें। वहीं, इस्राइल ने ईरान के कई शहरों पर हमले जारी रखे हैं। आईआरजीसी ने अमेरिका और इस्राइल को आगाह किया है कि वे ईरान की जमीन पर किसी भी संभावित सैन्य कार्रवाई के बारे में न सोचें। आईआरजीसी ने अमेरिका और इस्राइल की जनता को संबोधित एक बयान में कहा कि बेंजामिन नेतन्याहू और डोनाल्ड ट्रंप के धोखे में अपने बच्चों को नरक में न भेजें। उन्होंने कहा कि हमलावर सैनिक ईरानी राष्ट्र के लाखों लोगों के सागर में डूब जाएंगे और गायब हो जाएंगे। इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स ने कहा कि युद्धक्षेत्र की वास्तविकताओं को तोड़-मरोड़ कर पेश करके लोगों को गुमराह किया जा रहा है। बयान में कहा गया है, 'युद्ध की सच्चाई आपको अमेरिकी गैस स्टेशनों पर, ईरान की सड़कों पर, तेल अवीव और हाइफा के आसमान में देखनी चाहिए।' एक रिपोर्ट के अनुसार पेंटागन 82वीं एयरबोर्न डिवीजन से सैनिकों को मध्य पूर्व में तैनात करने की योजना बना रहा है। इस रिपोर्ट में एक सूत्र के हवाले से कहा गया है कि पेंटागन डिवीजन के कुछ हिस्सों को क्षेत्र में भेजने की योजना बना रहा है, जिसमें एक कमांड और कुछ जमीनी बल शामिल हैं। यह तैनाती अमेरिका की ओर से खर्ग द्वीप पर एक संभावित ज़मीनी कार्रवाई की ओर इशारा कर रही है।

ईरान में उतर सकती है 82वीं एयरबोर्न डिवीजन

दूसरे विश्व युद्ध में अमेरिका की जीत में भूमिका

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने एक तरफ तो ईरान के साथ बातचीत होने तक उसके प्रमुख ऊर्जा संयंत्रों को निशाना न बनाने की बात कही है, वहीं दूसरी तरफ अमेरिका तेजी से पश्चिम एशिया में में अपनी सैन्य टुकड़ियों की तैनाती बढ़ा रहा है। ईरान युद्ध में अमेरिका की इस दोतरफा नीति के बीच उसकी 82वीं एयरबोर्न डिवीजन की चर्चाएं सबसे ज्यादा हैं, जो कि सामान्य सेना की तरह युद्ध में नहीं उतरती, बल्कि यह बल अपने कौशल के जरिए संघर्ष का रुख बदलने की क्षमता रखता है। अमेरिका-इस्राइल की तरफ से ईरान के खिलाफ किए गए हमले और इसके बाद तेहरान की तरफ से किए गए पलटवार का दौर लगातार 26वें दिन भी जारी है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने हाल ही में एलान किया था कि उनके कुछ अधिकारी ईरानी शासन के साथ संपर्क में हैं और अगले पांच दिन बातचीत पर जोर देंगे। अमेरिका-इस्राइल की तरफ से ईरान के खिलाफ किए गए हमले और इसके बाद तेहरान

की तरफ से किए गए पलटवार का दौर लगातार 26वें दिन भी जारी है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने हाल ही में एलान किया था कि उनके कुछ अधिकारी ईरानी शासन के साथ संपर्क में हैं और अगले पांच दिन बातचीत पर जोर देंगे। इस बीच सामने आया कि ट्रंप ने कुछ समय पहले ही जिन 5000 मरीन्स को ईरान के आसपास तैनाती के लिए भेजने की बात कही थी, वह कुछ समय में ही पश्चिम एशिया में मौजूद होंगे। ऐसे में ईरान से जुड़े विश्लेषकों ने कहा कि ट्रंप पांच दिन बातचीत का बहाना बना रहे हैं, ताकि वह अपनी नई सैन्य टुकड़ियों के जरिए ईरान के खिलाफ नई रणनीति को अंजाम दे पाएं। खबरें आईं कि अमेरिका अपनी 82वीं एयरबोर्न डिवीजन को भी ईरान में उतारने की तैयारी कर रहा है, ताकि संघर्ष में अपने कुछ लक्ष्यों को तुरंत पूरा किया जा सके। विश्व युद्ध में इसके साहसिक अभियानों से मिली। 6 जून 1944 को डी-डे (ऑपरेशन ओवरलॉर्ड) के दौरान, इसके लगभग 6,400 पैराट्रूपर्स को नाजी-कब्जे वाले फ्रांस के नॉरमैंडी में दुश्मन की सीमा के पीछे पैराशूट से उतारा गया था। इस रणनीति का असर यह हुआ कि जो जर्मन सेना अमेरिका के मित्र देशों की सेना (अलायड फोर्सेज) का सामना करने के लिए बढ़ रही थी, उसके लिए पीछे अमेरिकी सैनिकों का खतरा भी बढ़ गया। ऐसे में जर्मनी के लिए यह दो दिशाओं वाला युद्ध बन गया। दूसरी तरफ अमेरिका ने दुश्मन की धरती पर सैनिक उतारकर अहम पुलों पर कब्जा किया। साथ ही अहम रास्तों को सुरक्षित किया और जर्मन सेना को होने वाली रसद और गोला-बारूद की सप्लाई में बड़ा रोड़ा लगा दिया। 82वीं एयरबोर्न डिवीजन के सैनिकों ने इस दौरान 33 दिन तक बिना किसी राहत सामग्री के युद्ध किया और जर्मन सेना को उलझाए रखा।

ईरान पर इस्राइल-अमेरिकी हमलों में आई तेजी, शिराज क्षेत्र में दो किशोरों की मौत

अमेरिका-इस्राइल की ओर से ईरान पर बढ़ाए गए हमले

तेहरान, एजेंसी। ईरान के बुशहर परमाणु ऊर्जा संयंत्र के पास दूसरे हमले के बाद रूस के विदेश मंत्रालय ने अमेरिका और इस्राइल पर जानबूझकर परमाणु आपदा को भड़काने की कोशिश करने का आरोप लगाया है। इसकी वजह से मॉस्को को ईरान और रूस के संयुक्त रूप से निर्मित स्थल से और अधिक कर्मचारियों को निकालना पड़ा है। आईआरएनए समाचार एजेंसी की रिपोर्ट के अनुसार बुधवार शाम को शिराज क्षेत्र के काफ्री गांव में एक आवासीय क्षेत्र पर अमेरिकी-इस्राइली हमले में दो किशोर लड़कों की मौत हो गई। हमले में मारे गए लड़कों की पहचान इल्या और अमीर हुसैन शराफी के रूप में हुई है।

यूएन महासचिव एंटोनियो गुटेरेस बोले- पश्चिम एशिया संघर्ष का सबसे बुरा असर गरीबों और कमजोरों पर

संयुक्त राष्ट्र (यूएन) के महासचिव एंटोनियो गुटेरेस ने बुधवार (स्थानीय समयानुसार) को चेतावनी दी कि पश्चिम एशिया में जारी संघर्ष का सबसे अधिक प्रभाव सबसे गरीब और सबसे कमजोर आबादी पर पड़ रहा है। उन्होंने युद्ध को तत्काल खत्म करने और कूटनीति के लिए एक नए सिरे से प्रयास करने का आह्वान किया है। एक्स पर एक

पोस्ट में गुटेरेस ने कहा कि संघर्ष के मानवीय परिणाम उन नागरिकों द्वारा भुगते जा रहे हैं जिनकी इस संघर्ष में कोई भूमिका नहीं थी। उन्होंने कहा, 'मध्य पूर्व में संघर्ष के झटके उन लोगों को सबसे अधिक लग रही हैं जिनकी कोई जिम्मेदारी नहीं है: सबसे गरीब और सबसे कमजोर।'

ईरान पर अमेरिका और इस्राइल के हमलों की संख्या और तीव्रता बढ़ती जा रही है। यह सिलसिला लगातार चल रहा है। ईरान के शिराज में हुई बमबारी में दो लोगों के मारे जाने की खबर है। वहीं, दक्षिण में स्थित लामर्ड हवाई अड्डे पर भी बमबारी की गई है। युद्ध की शुरुआत से ही इस्फहान और कराज पर लगातार हमले किए जा रहे हैं। जर्मनी के रक्षा मंत्री ने कहा कि ईरान युद्ध 'विश्व की अर्थव्यवस्थाओं के लिए एक आपदा' है। बोरिस पिस्टोरियस ने ईरान और अमेरिका-इस्राइल के बीच छिड़े युद्ध के राजनयिक समाधान का आह्वान किया है। उन्होंने इस संघर्ष को आर्थिक विपदा बताया है। कैनबरा में ऑस्ट्रेलियाई संसद भवन में पत्रकारों से बात करते हुए पिस्टोरियस ने कहा कि जर्मनी किसी भी प्रकार की शांति स्थापित करने में मदद करने के लिए तैयार है। कुवैत ने जारी की विकिरण संबंधी चेतावनी, ईरान के परमाणु संयंत्र के पास हुआ था हमला कुवैत ने विकिरण संबंधी चेतावनी जारी की।

● हिंद महासागर में गिरने का वीडियो भी जारी!

ईरान ने किया अमेरिकी एफ-18 लड़ाकू विमान गिराने का दावा

तेहरान, एजेंसी। मध्य पूर्व में जारी तनाव के बीच ईरान ने बड़ा दावा किया है। ईरान के इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स ने कहा है कि उसने अमेरिकी स्न/-18 हॉर्नेट लड़ाकू विमान को सफलतापूर्वक निशाना बनाकर गिरा दिया। आईआरजीसी के अनुसार, चाबहार के पास ईरानी एयर डिफेंस सिस्टम ने इस फाइटर जेट को टारगेट किया, जिसके बाद यह इंडियन ओसीन में गिर गया। ईरान ने इस दावे के समर्थन में एक वीडियो भी जारी किया है।

ईरानी नेता एमबी ग़ालिबफ़ ने चेतावनी देते हुए कहा कि कुछ जानकारी के आधार पर ईरान के दुश्मन, किसी क्षेत्रीय देश के समर्थन से, उसके एक द्वीप पर कब्जा करने की तैयारी कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि ईरानी सेना दुश्मन की हर गतिविधि पर नजर रख रही है और अगर किसी ने सीमा पार करने की कोशिश की तो उस देश के सभी महत्वपूर्ण ढांचे को बिना किसी रोक-टोक के नष्ट कर दिया जाएगा। इससे पहले भी ईरान ने दावा किया था कि उसने अमेरिकी

एयरक्राफ्ट कैरियर यूएसएस अब्राहम लिंकन पर क्रूज मिसाइलों से हमला किया है। ईरान ने चेतावनी दी कि अगर यह पोत दोबारा उसकी सीमा के पास आया तो उस पर और बड़े हमले किए जाएंगे। हालांकि, अमेरिकी यूनाइटेड स्टेट्स सेंट्रल कमांड ने

इन दावों को खारिज करते हुए कहा कि उनका कोई भी फाइटर जेट या पोत नष्ट नहीं हुआ है। ईरान ने यह भी दावा किया कि उसने अमेरिका के अत्याधुनिक एफ-35 लरइटिंग टू फाइटर जेट को निशाना बनाया, जिसके बाद उसे इमरजेंसी लैंडिंग करनी पड़ी। सेंटकॉम के मुताबिक, यह पांचवीं पीढ़ी का स्टील्थ फाइटर जेट ईरान के ऊपर एक मिशन के दौरान हमले का सामना करने के बाद एक अमेरिकी एयरबेस पर सुरक्षित उतारा गया।

ढाका लौट रही बस पद्मा नदी में समाई; ईद से लौट रहे 23 लोगों की मौत

ढाका, एजेंसी। बांग्लादेश में एक यात्री बस के नदी में गिरने के बाद अब तक 23 लोगों की मौत हो चुकी है। यह हादसा बुधवार शाम करीब 5:15 बजे राजबाड़ी जिले के दौलतदिया टर्मिनल पर हुआ, जब बस नाव पर चढ़ने की कोशिश कर रही थी। इसी दौरान अचानक संतुलन बिगड़ने से बस सीधे पद्मा नदी में जा गिरी।

मिली जानकारी के अनुसार, बस में करीब 40 यात्री सवार थे, जिनमें कई बच्चे भी शामिल थे। ये सभी लोग ईद की छुट्टियां मनाकर ढाका लौट रहे थे। हादसे के बाद तुरंत राहत और बचाव अभियान शुरू किया गया। काफी मुश्किल हालात और खराब मौसम के बीच करीब छह घंटे की मेहनत के बाद क्रेन की मदद से बस को नदी से बाहर निकाला गया। जब बस को बाहर निकाला गया तो उसके अंदर से 14 शव मिले, जबकि उससे पहले गोताखोरों ने दो महिलाओं के शव बरामद किए थे। इस तरह कुल 16 लोगों की मौत की पुष्टि हुई है। अभी भी कई लोग लापता हैं और उनकी तलाश जारी है। सेना, पुलिस, फायर सर्विस और कोस्ट गार्ड की टीम मिलकर सर्च ऑपरेशन चला रही हैं।

फेरी पर लोडिंग के वक्त एक नाव ने मारी थी टक्कर: प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक, जब बस फेरी की ओर बढ़ रही थी, तभी एक छोटी नाव (यूटिलिटी फेरी) ने पोंटून को टक्कर मार दी। इससे बस चालक का संतुलन बिगड़ गया और बस सीधे नदी में गिर गई। कुछ लोग तैरकर बाहर निकलने में सफल रहे या उन्हें बचा लिया गया, लेकिन ज्यादातर यात्री बस के अंदर ही फंसे रह गए।

ख्वाजा आसिफ बोले- अब युद्ध का मकसद सिर्फ होर्मुज खुलवाना

इस्लामाबाद, एजेंसी। पश्चिम एशिया में जारी युद्ध के बीच पाकिस्तान ने अमेरिका पर तंज कस रहा है। पाकिस्तान के रक्षा मंत्री ख्वाजा आसिफ ने कहा है कि ऐसा लगता है कि अब युद्ध का मकसद बदल गया है। उन्होंने कहा कि अब सारा ध्यान स्ट्रेट ऑफ होर्मुज को खुलवाने पर है। दरअसल, इस ईरान-अमेरिका युद्ध के चलते ईरान स्ट्रेट ऑफ होर्मुज को बंद कर दिया है। यह रास्ता दुनिया के लिए बेहद जरूरी है क्योंकि वैश्विक तेल व्यापार का 20 प्रतिशत हिस्सा इसी मार्ग से गुजरता है। इसके बंद होने से दुनिया भर में ईंधन की सप्लाई पर बुरा असर पड़ा है। हाल ही में अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने भी इस रास्ते को खुलवाने के लिए दुनिया के देशों से एकजुट होने की अपील की थी।

इस मामले पर अब पाकिस्तान रक्षा मंत्री ख्वाजा आसिफ ने अमेरिका पर तंज कसते हुए कहा, ऐसा लगता है कि अब युद्ध का मकसद बदल गया है। उन्होंने कहा कि अब सारा ध्यान स्ट्रेट ऑफ होर्मुज को खुलवाने पर लगा है, जबकि यह रास्ता युद्ध शुरू होने से पहले खुला ही था। यह बयान ऐसे समय में आया है जब पाकिस्तान खुद अमेरिका और ईरान के बीच मध्यस्थता और मेजबानी करने की कोशिश में जुटा है। हालांकि ईरान ने

बुधवार को अमेरिका के युद्धविराम प्रस्ताव को पूरी तरह खारिज कर दिया। इसके साथ ही ईरान ने इजरायल और खाड़ी देशों पर अपने हमले और तेज कर दिए हैं। ईरान ने कुवैत के अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे को भी निशाना बनाया, जिससे वहां भीषण आग लग गई। ईरान की यह कार्रवाई इजरायल के तेहरान पर किए गए हवाई हमलों और अमेरिका की तरफ से मरीन सैनिकों की नई तैनाती के जवाब में देखी जा रही है। ईरान के सरकारी मीडिया 'प्रेस टीवी' ने एक अधिकारी के हवाले से बताया कि ईरान अपनी शर्तों पर ही युद्ध खत्म करेगा। एजेंसी के अनुसार, पाकिस्तान के मध्यस्थों ने अमेरिका की तरफ से ईरान को 15 सूत्रीय शांति योजना सौंपी थी। इस योजना में ईरान पर लगे प्रतिबंधों को हटाने, परमाणु कार्यक्रम को वापस लेने, मिसाइलों की सीमा सीमित करने और स्ट्रेट ऑफ होर्मुज को फिर से खोलने की शर्तें रखी गई थीं। दूसरी तरफ, अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने अपनी जीत का दावा किया है। उन्होंने कहा है कि होर्मुज जल्द खुल जाएगा। वे ईरानी शासन के सही लोगों से बात कर रहे हैं।

भारतीय फुटबॉल पर दाग! पैसों के झगड़े में कोच और खिलाड़ी स्टेडियम के बाहर अटके

कोच्चि। भारतीय पुरुष सीनियर फुटबॉल टीम को गुरुवार को कोच्चि के जवाहरलाल नेहरू स्टेडियम में एक अप्रत्याशित स्थिति का सामना करना पड़ा, जब खिलाड़ियों और मुख्य कोच को प्रेस कॉन्फ्रेंस के लिए प्रवेश से रोक दिया गया। यह विवाद स्टेडियम के सिक्योरिटी डिपॉजिट के भुगतान को लेकर सामने आया। भारतीय टीम, जिसमें केरल के तीन खिलाड़ी भी शामिल थे, और मुख्य कोच खालिद जमील आगामी एएफसी एशियन कप क्वालिफायर मुकाबले से पहले प्रेस कॉन्फ्रेंस के लिए स्टेडियम पहुंचे थे। 31 मार्च को हॉन्गकॉन्ग के खिलाफ होने वाले इस मुकाबले से पहले यह मीडिया बातचीत तय थी, लेकिन भुगतान विवाद के चलते इसे रद्द करना पड़ा। यह मामला स्टेडियम के मालिक ग्रेटर कोचिन डेवलपमेंट अथॉरिटी और केरल फुटबॉल एसोसिएशन के बीच बकाया राशि को लेकर है। जानकारी के मुताबिक, केरल फुटबॉल एसोसिएशन को मैच के लिए स्टेडियम चार दिनों तक बुक करने के बदले एक निश्चित सिक्योरिटी डिपॉजिट जमा करना था, जो समय पर नहीं किया गया। ऑल इंडिया फुटबॉल फेडरेशनके एक सूत्र ने न्यूज एजेंसी पीटीआई को बताया, 'मुद्दा यह है कि केरल फुटबॉल एसोसिएशन को स्टेडियम को चार दिन के लिए बुक करने के लिए एक निश्चित राशि जमा करनी थी। इसी कारण स्टेडियम प्रशासन ने एंट्री रोक दी।'

दिग्गज बैडमिंटन प्लेयर ने लिया संन्यास, रियो ओलंपिक में रचा था इतिहास

मियामी, एजेंसी। बैडमिंटन की दिग्गज खिलाड़ी कैरोलिना मारिन ने घुटने की चोट से लंबे समय तक परेशान रहने के बाद बृहस्पतिवार को अपने पेशेवर करियर से संन्यास लेने की घोषणा की। उनके करियर में ओलंपिक स्वर्ण पदक और तीन विश्व चैंपियनशिप खिताब शामिल हैं। मारिन ने सोशल मीडिया पर वीडियो संदेश साझा कर कहा, 'मेरा सफर यहीं समाप्त होता है।' उन्होंने बताया कि चोट के कारण उन्होंने अपने स्वास्थ्य को प्राथमिकता देते हुए प्रतियोगिता से दूर रहने का कठिन निर्णय लिया। उन्होंने कहा, 'मैं चाहती थी कि हम आखिरी बार ट्रैक पर मिलें, लेकिन मैं अपने शरीर को जोखिम में नहीं डालना चाहती।' इस 32 साल की खिलाड़ी ने भारत की दो बार की ओलंपिक पदक विजेता पी.वी. सिंधू के साथ कई यादगार मुकाबले खेले। उन्होंने रियो 2016 ओलंपिक और 2018 विश्व चैंपियनशिप के फाइनल में सिंधू को हराया था। उनके करियर में 2014, 2015 और 2018 में विश्व चैंपियनशिप, सात यूरोपीय खिताब और 2016 ओलंपिक स्वर्ण पदक शामिल हैं। मारिन का अंतिम प्रतिस्पर्धी प्रदर्शन पेरिस 2024 ओलंपिक में हुआ, जो दो गंभीर एसीएल चोटों के बाद उनकी शानदार वापसी थी। वह हुएल्वा में आयोजित होने वाले आगामी यूरोपीय चैंपियनशिप में प्रतिस्पर्धा नहीं करेंगी, लेकिन अपने शहर के सम्मान में वहां उपस्थित रहेंगी। उन्होंने कहा, 'मैं हुएल्वा में रैकेट हाथ में नहीं लूंगी, लेकिन अपनी ऊर्जा शहर को लौटाते हुए संन्यास लूंगी।'

कोहली ने बनवाया नया टैटू

जीवन-अनुभव और बदलाव की कहानी को दर्शाता है

बंगलूरू, एजेंसी। बंगलूरू दिग्गज बल्लेबाज विराट कोहली ने आईपीएल 2026 की शुरुआत से पहले अपने टैटू कलेक्शन में एक नया और खास डिजाइन शामिल किया है। रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) के पूर्व कप्तान और दिग्गज बल्लेबाज का नया टैटू उनके जीवन, अनुभव और व्यक्तिगत बदलावों की कहानी को दर्शाता है।

पुराने डिजाइनों को एक नई कहानी में पिरोना

विराट कोहली ने जिस स्टूडियो में टैटू बनाया वहां से जारी प्रेस रिलीज के मुताबिक, 'यह टैटू उनकी बाईं बांह पर बनाया गया है, जहां पहले से मौजूद टैटू को हटाने के बजाय उन्हें और बेहतर और गहराई देने का काम किया गया है। इस पूरी प्रक्रिया का उद्देश्य पुराने डिजाइनों को एक नई कहानी में पिरोना है, जो मौजूदा समय के कोहली की सोच और व्यक्तित्व से मेल खाती हो।'

टैटू की शुरुआत ऐसे हुई, पैटर्न में बदलता

इस टैटू की शुरुआत शिव से प्रेरित एक आर्मबैंड को फिर से डिजाइन करने से हुई। इसके बाद यह डिजाइन एक बारीक मंडला पैटर्न में बदलता है, जिसे डॉटवर्क तकनीक से तैयार किया गया है। यह पैटर्न पूरी बांह पर एक फ्लो बनाता है और टैटू स्लीव का आधार तैयार करता है।टैटू में कमल और पियोनी जैसे फूलों को भी शामिल किया गया है, जो मजबूती, विकास और आंतरिक संतुलन के प्रतीक माने जाते हैं। हालांकि, इन डिजाइनों के पीछे छिपे व्यक्तिगत अर्थ को पूरी तरह सार्वजनिक नहीं किया गया है, जिससे इसमें एक रहस्य भी बना रहता है।

टैटू स्लीव को जानबूझकर अधूरा छोड़ा

स्टूडियो ने यह भी बताया कि इस टैटू स्लीव को जानबूझकर अधूरा छोड़ा गया है। इसका कारण यह है कि कोहली के जीवन में आने वाले नए अनुभव, बदलाव और उपलब्धियां भविष्य में इस टैटू में जुड़ती रहेंगी। यानी यह टैटू किसी एक पल का प्रतीक नहीं, बल्कि उनकी पूरी यात्रा का साक्षी और जीवंत दस्तावेज बनेगा।विराट कोहली आईपीएल के पहले सीजन (2008) से ही आरसीबी से जुड़े हुए हैं। उनके प्रदर्शन में निरंतरता रही है। वह लीग के इतिहास के सबसे सफल बल्लेबाज हैं। आरसीबी ने आईपीएल 2025 का खिताब जीता था। टीम का यह पहला खिताब था और इसमें विराट कोहली की यादगार भूमिका रही थी। कोहली ने 15 मैचों में 8 अर्धशतक लगाते हुए 657 रन बनाए थे। आरसीबी आईपीएल 2026 में अपना खिताब डिफेंड करने उतरेगी और इसके लिए विराट कोहली का असाधारण प्रदर्शन एक बार फिर जरूरी होगा।

अक्षर के बाद अब शुभमन गिल ने भी इम्पैक्ट प्लेयर नियम पर उठाए सवाल

नई दिल्ली। आईपीएल में इम्पैक्ट प्लेयर नियम को लेकर अब विरोध बढ़ता जा रहा है। पहले दिल्ली कैपिटल्स के कप्तान अक्षर पटेल ने इसके खिलाफ बयान दिया और अब गुजरात टाइटंस के कप्तान शुभमन गिल ने इस पर सवाल खड़े किए हैं। इम्पैक्ट प्लेयर नियम से टीमों के मैच के दौरान एक खिलाड़ी को बाहर भेजकर दूसरे किसी खिलाड़ी को शामिल करने की मंजूरी मिलती है। इस नियम पर पहले भी भारतीय खिलाड़ियों ने आपत्ति जताई है, जिनमें रोहित शर्मा, हार्दिक पंड्या और हाल ही में दिल्ली कैपिटल्स के कप्तान अक्षर पटेल शामिल हैं। मुंबई में बुधवार को हुई आईपीएल कप्तानों की बैठक में गिल सहित अधिकांश कप्तानों ने बीसीसीआई से इस नियम की समीक्षा करने की मांग की। यह नियम 2023 में लागू किया गया था और इसे कम से कम 2027 तक बढ़ाया गया है। गिल ने कहा, निजी तौर पर मेरे ख्याल से इम्पैक्ट प्लेयर नियम नहीं होना चाहिए। इस मैच एकतरफा होता है। क्रिकेट सामान्यतः 11 खिलाड़ियों का खेल है। इसमें एक अतिरिक्त बल्लेबाज या गेंदबाज जोड़ने से खेल की वास्तविक चुनौती और खिलाड़ी की कौशल का महत्व कम हो जाता है। खेल में एक निश्चित कौशल होता है। अगर आपकी कुछ मुख्य बल्लेबाज जल्दी आउट हो जाएं, तो टीम को अच्छी स्कोर तक पहुंचाने के लिए रणनीति और कौशल की जरूरत होती है। लेकिन इस एक अतिरिक्त खिलाड़ी से खेल का झुकाव एकतरफा हो गया है। इससे चुनौती भी कम हो गई है। मेरे लिए आसान पिच पर 220 रन का पीछा करने से ज्यादा रोमांच चुनौतीपूर्ण पिच पर 180 या 160 रन का पीछा करने में है।

गिल बोले- किसी को कुछ साबित करने की जरूरत नहीं

शुभमन गिल ने कहा कि 2026 टी20 विश्व कप से पहले भारतीय टीम से बाहर किए जाने के बाद उन्हें आगामी आईपीएल में किसी को कुछ साबित करने की आवश्यकता नहीं है। गिल टी20 विश्व कप से पहले भारत के उपकप्तान थे, लेकिन संजू सैमसन को शीर्ष क्रम में जगह देने के लिए उन्हें टीम से बाहर कर दिया गया। भारत ने इस बार रिकॉर्ड तीसरी बार खिताब जीता। गिल भारत की टेस्ट और वनडे टीमों के कप्तान होने के साथ-साथ आईपीएल में गुजरात टाइटंस का नेतृत्व भी कर रहे हैं। गिल से पूछा गया कि क्या विश्व कप में नजरअंदाज किए जाने के बाद उन्हें कुछ साबित करना है, तो गिल ने कहा, पिछले तीन-चार सत्रों को देखें तो मुझे लगता है कि आईपीएल में मेरे सबसे ज्यादा रन हैं। इस सत्र में मुझे किसी को कुछ साबित करने की जरूरत नहीं है। पिछले चार साल में हमने टीम के रूप में अच्छा प्रदर्शन किया है और मैंने एक बल्लेबाज के रूप में भी अच्छा किया है।

आईपीएल में जमकर चलता है गिल का बल्ला

गिल लगातार आईपीएल में रन बनाने वाले बल्लेबाजों में शामिल हैं। उन्होंने पिछले सत्र में 650 रन, उससे पहले 426 रन और 2023 में 890 रन बनाए थे। उन्होंने कहा, मुझे वही करना है जो मैं पिछले चार साल से कर रहा हूं। टीम को लगातार अच्छा प्रदर्शन करना होगा। अगर हम ऐसा करते रहे, तो निश्चित रूप से हम एक बार फिर ट्रॉफी जीतेंगे।

लोग मेरी बैटिंग को भूल जाते हैं: क्रुणाल पांड्या

बेंगलुरु। भारतीय और रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के ऑलराउंडर क्रुणाल पांड्या ने इस बारे में बात की कि कैसे उनकी बैटिंग को एक स्किल के तौर पर नजरअंदाज किया जाता है और कैसे उनका लक्ष्य अभी भी देश का प्रतिनिधित्व करना है जबकि उन्होंने अपना आखिरी इंटरनेशनल मैच लगभग 5 साल पहले खेला था। क्रुणाल रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरुके पॉडकास्ट के टीजर में बोल रहे थे और उनके शब्दों में दर्द साफ छलक रहा था। यह अनुभवी ऑलराउंडर फाइनल में पंजाब किंग्स के खिलाफ 'प्लेयर ऑफ द मैच' रहा था, जिसमें उसकी 2/17 की कसी हुई गेंदबाजी ने ख़िताब जीतने में मदद की थी। इस प्रतियोगिता के पिछले सीजन में क्रुणाल दूसरे सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले गेंदबाज थे जो तेज गेंदबाज जोश हेजलवुड (22 विकेट) के बाद थे।

मियामी ओपन: रायबाकिना को हराकर सबालेंका फाइनल में

मियामी, एजेंसी। मियामी बेलारूस की टेनिस प्लेयर एरिना सबालेंका ने मियामी ओपन के फाइनल का टिकट कटा लिया है। सबालेंका ने सेमीफाइनल मुकाबले में कजाकिस्तान की एलेना रायबाकिना को सीधे सेटों में 6-4, 6-3 से हराया। इस जीत के साथ वह लगातार दूसरे साल मियामी ओपन के फाइनल में पहुंचने वाली खिलाड़ी बन गई हैं।

सबालेंका की यह डब्ल्यूटीए टूर में 17वीं प्रतियोगिता और कुल 10वीं जीत है। सबालेंका 2023 और 2024 में रायबाकिना के बाद लगातार मियामी ओपन फाइनल में पहुंचने वाली पहली खिलाड़ी हैं। इसके साथ ही वर्ल्ड नंबर एक खिलाड़ी रहते हुए वह 2013 से 2015 तक सेरेना विलियम्स के बाद ऐसा करने वाली पहली खिलाड़ी हैं।

मैच की शुरुआत काफी रोमांचक रही। पहले सेट में दोनों खिलाड़ी बराबरी पर खेल रही थीं। 4-5 से पिछड़ने के बाद सबालेंका ने रायबाकिना के खिलाफ शानदार खेल दिखाया और क्रॉस-कोर्ट बैकहैंड और ओवरहेड शॉट का उपयोग करते हुए महत्वपूर्ण ब्रेक हासिल किया। इस ब्रेक के दम पर वह पहला सेट 6-4 से जीतने में सफल रहीं।

दूसरे सेट में सबालेंका ने शुरुआत से दबाव बनाए रखा और 4-0 की बढ़त बनाई। इसके बाद भी उन्होंने अपने विरोधी को वापसी का कोई मौका नहीं दिया। सेट के अंत में उन्होंने लव पर सर्व किया और टी-सर्व के साथ खेल खत्म किया। मैच जीतने के बाद सबालेंका ने कैमरे के लेंस पर अपना निकनेम 'टाइगर' लिखा। सबालेंका इस सदी की चौथी खिलाड़ी हैं जो अपने सीजन के पहले चार डब्ल्यूटीए इवेंट्स के फाइनल में पहुंची हैं। इससे पहले यह रिकॉर्ड मार्टिना हिंगिस (2001), सेरेना विलियम्स (2003) और विक्टोरिया अजारेंका (2012) के नाम रहा है। इस तरह का प्रदर्शन उन्हें टेनिस की दुनिया में एक विशेष मुकाम दिलाता है।

अब सबालेंका का सामना फाइनल में अमेरिकन खिलाड़ी कोको गॉफ से होगा। गॉफ ने शानदार वापसी करते हुए चेक गणराज्य की कैरोलिना मुचोवा को 6-1, 6-1 से हराकर पहली बार मियामी ओपन के फाइनल में जगह बनाई है। यह फाइनल दोनों खिलाड़ियों के लिए बेहद महत्वपूर्ण होगा।

एलेक्जेंडर ज्वेरेव ने किया शानदार प्रदर्शन, बनाई सेमीफाइनल में जगह

वहीं, पुरुष एकल में जर्मनी के खिलाड़ी एलेक्जेंडर ज्वेरेव ने शानदार प्रदर्शन करते हुए अर्जेंटीना के फ्रांसिस्को सेरुंडोलो को 6-1, 6-2 से हराकर सेमीफाइनल में अपनी जगह पक्की कर ली है। इस जीत के साथ 27 साल के जर्मन खिलाड़ी ने एक ही सीजन में इंडियन वेल्स और मियामी ओपन के सेमीफाइनल में पहुंचने का रिकॉर्ड बना लिया है, जो उनके करियर के लिहाज से महत्वपूर्ण उपलब्धि है। साल 2022 में सेमीफाइनल और 2023 तथा 2025 में क्वार्टर फाइनल तक का सफर तय करने वाले फ्रांसिस्को सेरुंडोलो का अनुभव जेवरेव के आगे फीका नजर आया। टूर्नामेंट के तीसरे राउंड में सेरुंडोलो ने बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए दुनिया के नंबर 10 खिलाड़ी डेनियल मेदवेदेव को हराया था।

पृथ्वी शॉ-आकृति अग्रवाल की लव स्टोरी, सगाई के बाद खुला राज!

नई दिल्ली, एजेंसी

भारतीय क्रिकेटर पृथ्वी शॉ इन दिनों अपने खेल से ज्यादा अपनी निजी जिंदगी को लेकर सुर्खियों में हैं। आईपीएल 2026 से ठीक पहले उनकी सगाई की खबर ने सोशल मीडिया पर जबरदस्त हलचल मचा दी है। मुंबई की चर्चित कंटेंट क्रिएटर आकृति अग्रवाल के साथ उनका रिश्ता अब आधिकारिक रूप ले चुका है, लेकिन इस लव स्टोरी के पीछे की कहानी अब सामने आ रही है, जिसने फैंस की दिलचस्पी और बढ़ा दी है।

महीनों की अटकलों के बाद हुआ खुलासा

पिछले कुछ महीनों से पृथ्वी शॉ और आकृति अग्रवाल के रिश्ते को लेकर सोशल मीडिया पर चर्चाएं तेज थीं। दोनों कई बार एक दूसरे के साथ दिखे, कभी किसी कार्यक्रम में तो कभी घूमते, और साथ में कई फोटोज भी डालीं। पहले तो लोगों को लगा कि कोई दोस्त है, लेकिन दोनों ने इस सॉफ्ट लॉन्च के जरिए अपने रिश्ते के संकेत दिए। हालांकि, दोनों ने कभी खुलकर कुछ नहीं कहा। आखिरकार आठ मार्च 2026 को शॉ ने सगाई का एलान कर इन अटकलों पर विराम लगा दिया।

महिला दिवस पर खास एलान

पृथ्वी शॉ ने आकृति को अपना 'लकी चार्म' बताया था। दिलचस्प बात यह है कि इस कपल ने अपनी सगाई के लिए आठ मार्च 2026 यानी अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस का दिन चुना। इस खास तारीख ने इस खबर को और भी खास बना दिया और सोशल मीडिया पर यह ट्रेंड करने लगी। शॉ ने सगाई को अपनी सबसे शानदार पारी कहा था।जब फैंस मैदान पर पृथ्वी शॉ के अगले कदम का इंतजार कर रहे थे, तभी भारतीय ओपनर ने मैदान के बाहर ही दिल जीत लिया। शॉ आकृति अग्रवाल के साथ इंस्टाग्राम रील शेयर करते रहते हैं और इसे सोशल मीडिया पर खूब पसंद भी किया जाता है। आईपीएल 2026 के करीब आते ही 26 वर्षीय शॉ काफी सुकून महसूस कर रहे हैं। वह खुश भी नजर आ रहे हैं। कुल मिलाकर, ऐसा लग रहा है कि पृथ्वी शॉ ने मुश्किल भरे कुछ सीजनों के बाद अब अपनी जिंदगी में सुकून पा लिया है।

2025 में सामने आई थी लव स्टोरी

दोनों के रिश्ते की चर्चा तब शुरू हुई जब फैंस ने इंस्टाग्राम पर उनकी हल्की-फुल्की बातचीत नोटिस की। आकृति ने शॉ की पोस्ट पर 'माय परफेक्ट व्यू' (मेरा बेहतरीन नजारा) कमेंट किया, जिस पर शॉ ने जवाब दिया 'आय यू' (अरे तुम!)। यहीं से अफवाहों ने जोर पकड़ लिया।इसके बाद दोनों को मुंबई में कई बार साथ देखा गया। पैपराजी और फैंस ने उन्हें रेस्टोरेंट्स से बाहर निकलते हुए स्पॉट किया, जहां वे अक्सर मैचिंग या एक जैसे रंग के आउटफिट में नजर आते थे। साल 2025 में दोनों ने गणेश चतुर्थी समारोह और कई निजी और सोशल गेदरिंग्स में साथ शिरकत की, जिससे उनके रिश्ते की खबरें और तेज हो गईं।

आकृति के साथ शेयर की थी खास रील

शॉ ने आकृति के साथ एक खास रील शेयर की थी। इस वीडियो में स्क्रीन पर एक सिंपल सवाल लिखा होता है- तुम दोनों कैसे मिले? इसके बैकग्राउंड में शॉ और आकृति का एक खूबसूरत वेकेशन मोमेंट दिखाया जाता है। जैसे ही दर्शक इसे एक सामान्य कपल रील समझते हैं, वीडियो अचानक एक अलग मोड़ ले लेता है। इसमें एआई से बनाया गया एक विजुअल दिखता है, जिसमें अंदर भगवान को दिखाया जाता है। इस रील के जरिए शॉ ने इशारों-इशारों में बताया कि उनकी मुलाकात भगवान की योजना थी। फैंस को यह अंदाज बेहद पसंद आया और उन्होंने इस पर खूब प्यार लुटाया।आकृति ने अपने करियर की शुरुआत शॉर्ट वीडियो प्लेटफॉर्म टिकटॉक से की, जहां उनके वीडियो तेजी से वायरल हुए।

सर्व समाज की बैठक सम्पन्न, धूमधाम से मनाई जाएगी अंबेडकर जयंती

14 अप्रैल के कार्यक्रम का रोडमैप तैयार, प्रतिभावान छात्रों के सम्मान का प्रस्ताव

बीजापुर/मूक पत्रिका

संविधान निर्माता डॉ. भीमराव अंबेडकर की जयंती को इस वर्ष जिले में भव्य और समावेशी तरीके से मनाने की तैयारी शुरू हो गई है। इसी सिलसिले में अंबेडकर भवन, बीजापुर में सर्व समाज की बैठक आयोजित की गई, जिसमें विभिन्न समाजों के प्रतिनिधियों ने भाग लेकर आयोजन को व्यापक स्वरूप देने पर चर्चा की। बैठक में गोंडवाना समन्वय समिति के अध्यक्ष अमित कोरसा ने अंबेडकर जयंती के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कार्यक्रम की रूपरेखा प्रस्तुत की। उन्होंने सुझाव दिया कि इस अवसर पर वंचित एवं उत्पीड़ित समुदाय के प्रतिभावान छात्रों का सम्मान किया जाए, ताकि उन्हें आगे बढ़ने के लिए प्रेरणा मिल सके। परधान समाज के प्रतिनिधि राकेश गिरी ने बाबा साहब के सामाजिक न्याय और समानता के लिए किए गए कार्यों का उल्लेख करते हुए सभी वर्गों से सक्रिय भागीदारी की अपील की। बैठक में कंवर समाज के अध्यक्ष कमलेश पैंकरा, मुस्लिम समाज प्रमुख अय्यूब खान, कुड़ुख उरांव समाज के ज्यूलियस तिर्की, तेलगा समाज के अध्यक्ष आदिनारायण पुजारी, मरार समाज के सुदेश कुमार तथा महार समाज के प्रतिनिधियों ने भी अपने विचार रखे। बैठक के दौरान आयोजन समिति के गठन का निर्णय लिया गया। साथ ही 14 अप्रैल को होने वाले कार्यक्रम का प्रारंभिक रोडमैप भी तैयार किया गया, जिसमें आमसभा, संबोधन, भव्य रैली और सांस्कृतिक कार्यक्रम शामिल रहेंगे। सर्व समाज के प्रमुखों ने यह भी तय किया कि 31 मार्च को दोपहर 3 बजे अगली बैठक आयोजित कर समिति का औपचारिक गठन किया जाएगा और विभिन्न जिम्मेदारियां सौंपी जाएंगी। इस अवसर पर रैमनदास झाड़ी, कैलाश रामटेके, सतीश झाड़ी, अजय दुर्गम, निर्मल जुमडे, सतीश मांडवी, विजय झाड़ी, सुरेश परतागिरी सहित अन्य सामाजिक पदाधिकारी उपस्थित रहे।

शदाणी दरबार के संत युधिष्ठिर लालजी का काँकेर में स्वागत

कांकेर/मूक पत्रिका

काँकेर शहर के लिए यह गौरव का विषय है कि गत दिवस जगदलपुर से रायपुर जाते हुए शदाणी दरबार रायपुर के प्रमुख संत शिरोमणि डॉ युधिष्ठिरलाल जी कुछ समय के लिए काँकेर के माकड़ी भोजनालय में रुके जहां उनके भक्तों की भीड़ लग गई। इनका समाचार सुनकर जन सहयोग के अध्यक्ष अजय पप्पू मोटवानी भी अपने साथियों सहित माकड़ी भोजनालय पहुंचे। वहां अजय पप्पू मोटवानी के अलावा मनोज दुबे, मुकेश खटवानी तथा सरदार हरनेक सिंह ने संत जी का हार्दिक स्वागत किया और सब ने चरण छूकर उनके आशीर्वाद लिए। संत युधिष्ठिर लाल जी अपने साथ दरबार की पत्रिका भी - लाए थे, जिसे उन्होंने श्रद्धालुओं में वितरित किया, जिसे भक्तों ने आभार सहित ग्रहण किया। ÷जन सहयोग÷ द्वारा विगत 23 वर्षों में की गई विभिन्न समाज सेवाओं का भी ज़िक्र हुआ, जिस पर संतश्री को अत्यंत प्रसन्नता हुई । अजय पप्पू मोटवानी एवं साथियों ने संत जी को झूलेलाल साई की मूर्ति स्मृतिचिन्ह के रूप में दी, जिस पर प्रसन्न होकर उन्होंने सबको आशीर्वाद दिया। उल्लेखनीय है कि रायपुर छत्तीसगढ़ का जहां उनके भक्तों की भीड़ लग गई। इनका समाचार सुनकर जन सहयोग के अध्यक्ष अजय पप्पू मोटवानी भी अपने साथियों सहित माकड़ी भोजनालय पहुंचे। वहां अजय पप्पू मोटवानी के अलावा मनोज दुबे, मुकेश खटवानी तथा सरदार हरनेक सिंह ने संत श्री का हार्दिक स्वागत किया और सब ने चरण छूकर उनके आशीर्वाद लिए। संत युधिष्ठिर लाल जी अपने साथ दरबार की पत्रिका भी लाए थे, जिसे उन्होंने श्रद्धालुओं में वितरित किया, जिसे भक्तों ने आभार सहित ग्रहण किया। ÷जन सहयोग÷ द्वारा विगत 23 वर्षों में की गई विभिन्न समाज सेवाओं का भी ज़िक्र हुआ, जिस पर संतश्री को अत्यंत प्रसन्नता हुई । अजय पप्पू मोटवानी एवं साथियों ने संत श्री को झूलेलाल साई की मूर्ति स्मृतिचिन्ह के रूप में दी, जिस पर प्रसन्न होकर उन्होंने सबको आशीर्वाद दिया।

उल्लेखनीय है कि रायपुर छत्तीसगढ़ का शदाणी दरबार समस्त भारत तथा आसपास के देशों में भी प्रसिद्ध है। यहां से पाकिस्तान स्थित तीर्थों के लिए संतश्री के नेतृत्व में कई बार भक्तों के जत्थे जाकर हिंगलाज देवी एवं कटासराज मंदिर के दर्शन कर चुके हैं। संतश्री का काँकेर आगमन एक यादगार रहेगा, जिसमें उन्होंने अपने मधुर व्यवहार से सबके हृदय जीत लिए।

रामनवमीं पर बेरला में निकली भव्य शोभायात्रा रामभक्तों की उमड़ी भीड़ ने लहराया भगवा

बेमेतरा/बेरला/मूक पत्रिका

रामनवमीं महोत्सव पर बेरला नगर में श्री रामजानकी मंदिर से निकाली गई भव्य शोभायात्रा गली मोहल्ले सड़को पर दिखा रामभक्तों का भीड़ तो वही श्री राम जन्मोत्सव समिति के अध्यक्ष दाऊ नितेश सोनी ने बताया यह शोभायात्रा पिछले 8 वर्षों से किया जा रहा है प्रभु श्री राम जी हमारे आराध्य है श्री रामनवमी हर वर्ष हम सब हर्षोल्लास ,धूमधाम से मनाते आ रहे है वर्ष 2026 रामनवमीं भी धूमधाम से मनाया गया। कार्यक्रम में दिव्य काली, शंकर झांकी के साथ बाहुबली हनुमान झांकी व रथ में सवार श्री राम दरबार के साथ आकर्षक धुमाल रामधुनी सहित भव्य श्री राम जी की मूर्ति देखने को मिला इस भव्य आयोजन के आयोजक समिति के सदस्य आशीष सोनी ,पं.गजानन द्विवेदी,, राकेश सोनी, सूरज सोनी, नवीन गौतम, श्याम सोनी, हुलासी सोनी, गीतेश ताम्रकार, ,हितेश निर्मलकर, अरविंद राजपूत, प्रमोद सोनी, राजू जैसवाल, अरमान, किसन शर्मा, हीरालाल सोनी, मनीष सोनी, मनोज शर्मा, जितेंद्र जोशी, सहित श्री रामजन्मोत्सव समिति बेरला रहे यह शोभायात्रा श्री रामजानकी मंदिर सोनी पारा बेरला से निकलकर नगर भ्रमण किया।

भुलूमुड़ा में दुर्लभ वन्यजीव पैंगोलिन का सफल रेस्क्यू, किसान की सजगता और वन विभाग की तत्परता से बची बेज़ुबान की जान..

सारंगढ़-बिलाईगढ/मूक पत्रिका

शनिवार की सुबह भुलूमुड़ा गांव के खेत में एक दुर्लभ वन्यजीव पैंगोलिन के फंसने की सूचना से इलाके में हलचल मच गई। मूंगफली की बाड़ी में लगाए गए जाल में यह भोला-भाला जीव फंस गया था, लेकिन किसान की सतर्कता और वन विभाग की त्वरित कार्रवाई से उसकी जान बचा ली गई।

जानकारी के अनुसार, ग्राम भुलूमुड़ा (सरिया) निवासी सिंधु साहू के मूंगफली खेत में यह पैंगोलिन जाल में फंस गया था। जैसे ही किसान की नजर उस पर पड़ी, उन्होंने बिना देर किए इसकी सूचना वन विभाग को दी। सूचना मिलते ही विभाग की टीम मौके पर पहुंची और बेहद सावधानी के साथ रेस्क्यू ऑपरेशन शुरू किया। वन विभाग की टीम ने सूझबूझ और सतर्कता के साथ पैंगोलिन को सुरक्षित जाल से बाहर निकाला। इस दौरान यह सुनिश्चित किया गया कि जीव को किसी प्रकार की चोट न पहुंचे। रेस्क्यू के बाद उसे प्राकृतिक वातावरण में वापस छोड़ने के लिए गोमार्डा अभ्यारण्य क्षेत्र ले जाया गया, जहां उसे सुरक्षित रूप से मुक्त कर दिया गया।

इस पूरे रेस्क्यू ऑपरेशन में गोमार्डा अभ्यारण्य वन परिक्षेत्र बरमकेला के रेंजर हीरालाल सरजाल, डिप्टी रेंजर हीरालाल नायक, वनरक्षक हीरालाल चौधरी, वनपाल बलभद्र मैत्री, देवनाथ ध्रुव और गिरधारी सिदार की महत्वपूर्ण भूमिका रही। वन विभाग ने किसान सिंधु साहू की जागरूकता की सराहना की है, जिनकी तत्परता से एक दुर्लभ और संरक्षित वन्यजीव को सुरक्षित बचाया जा सका।

ट्रैफिक उल्लंघन पर लगातार कार्यवाही जारी, 4 दिन में 76 प्रकरण और 35 हजार का जुर्माना

सारंगढ़-बिलाईगढ/मूक पत्रिका

ट्रैफिक नियमों का पालन नहीं करने वाले और सड़क किनारे अव्यवस्थित खड़े किये वाहनों, नो पार्किंग जोन में खड़े वाहनों पर विगत दिनों यातायात दल द्वारा लगातार ऑनलाइन मोटर व्हीकल एक्ट की कार्यवाही की गई जिसमें 22 मार्च को 16 प्रकरण 5 हजार 800?, 24 मार्च को 23 प्रकरण 7 हजार 900?, 25 मार्च को 19 प्रकरण 12 हजार 200?, 26 मार्च को 18 प्रकरण 9 हजार 500? की चालानी कार्यवाही की गई। इन 4 दिन में 76 प्रकरण और 35 हजार 400 रूपये का जुर्माना लगाया गया। इस कार्य में यातायात प्रभारी रक्षित निरीक्षक जितेन्द्र चन्द्रा, उप निरीक्षक समेलाल सोनवानी, प्रधान आरक्षक श्याम प्रधान, मुकेश साहू, आरक्षक अक्षय रात्रे और सनसाई तिग्गा आदि शामिल थे।

वंगापल्ली मारपीट मामले में 24 घंटे में 8 आरोपी गिरफ्तार, मद्देड़ पुलिस की त्वरित कार्रवाई, अन्य आरोपियों की तलाश जारी; अफवाहों से बचने की अपील

बीजापुर/मूक पत्रिका

वंगापल्ली गांव में दो युवकों से मारपीट के मामले में मद्देड़ पुलिस ने तेजी दिखाते हुए 24 घंटे के भीतर 8 आरोपियों को पकड़ लिया। सभी को कोर्ट में पेश कर न्यायिक रिमांड पर भेज दिया गया है, जबकि बाकी आरोपियों की तलाश जारी है। जानकारी के मुताबिक, 26 मार्च को दम्पाया निवासी सुनील लम्बाडी ने थाना मद्देड़ में शिकायत दी थी कि गांव के करीब 20-25 लोगों ने विकास कावटी और संतोष कावटी के साथ लाठी-डंडों और हाथ-मुक्कों से मारपीट की।

इसके बाद पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू की। मामले को गंभीर मानते हुए पुलिस अधीक्षक डॉ. जितेन्द्र कुमार यादव के निर्देश पर टीम बनाई गई। पुलिस ने कार्रवाई करते हुए 8 आरोपियों को पकड़ लिया और 27 मार्च को कोर्ट में पेश कर दिया। पुलिस का कहना है कि बाकी आरोपियों को भी जल्द पकड़ लिया जाएगा।

लोगों से अपील –एसपी ने लोगों से कहा है कि किसी भी तरह की अफवाह पर ध्यान न दें और शांति बनाए रखें। थाना स्तर पर गांवों में बैठक कर लोगों को समझाइश भी दी जा रही है।

भिलौनी में अवैध पंजा भट्ठा संचालन,नदी किनारे से मिट्टी उत्खनन का आरोप

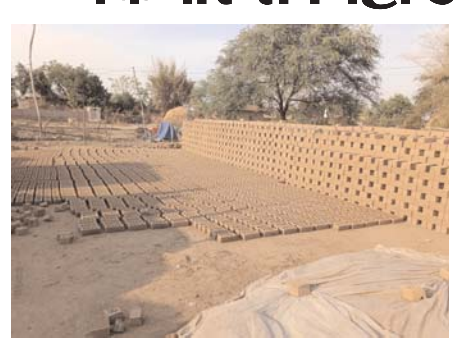

पचपेड़ी/मूक पत्रिका

बिलासपुर जिले अंतर्गत क्षेत्र के ग्राम पंचायत भिलौनी में अवैध गतिविधियों को लेकर ग्रामीणों में आक्रोश बढ़ता जा रहा है। जानकारी के अनुसा अबर गांव में राधे केवट द्वारा अवैध रूप से पंजा भट्ठा संचालित किया जा रहा है, जो इन दिनों जोरों पर चल रहा है। ग्रामीणों का आरोप है कि राधे केवट द्वारा जेसीबी मशीन के माध्यम से शिवनाथ नदी के किनारे से बड़े पैमाने पर मनमाने तरीके से मिट्टी की खुदाई की जा रही है। इस अवैध उत्खनन से जहां पर्यावरण को नुकसान पहुंच रहा है, वहीं राजस्व विभाग को भी भारी हानि होने की बात सामने आ रही है।

बताया जा रहा है कि हर वर्ष इसी तरह अवैध रूप से मिट्टी निकालकर ईंट निर्माण किया जाता है, जिससे शासन को राजस्व का नुकसान उठाना पड़ता है। ग्रामीणों ने संबंधित विभाग से इस पूरे मामले की जांच कर कड़ी कार्रवाई की मांग की है।

अब देखना होगा कि प्रशासन इस मामले को कितनी गंभीरता से लेते हुए अवैध गतिविधियों पर अंकुश लगाता है।

शिविर में निःशुल्क एक्स-रे की सुविधा, ऑन-द-स्पॉट जांच

सारंगढ़-बिलाईगढ़ में 'टीबी मुक्त' अभियान का शंखनाद: 100 दिनों तक चलेगा ग्राम स्तर पर जांच

सारंगढ़-बिलाईगढ/मूक पत्रिका

कलेक्टर डॉ संजय कन्नौजे के निर्देश और मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ एफ आर निराला के मार्गदर्शन में जिले में क्षय (टीबी) रोग के पूर्ण उन्मूलन और जन-जागरूकता के लिए एक व्यापक मुहिम की शुरुआत की गई है। जिले भर में 100 दिवसीय टीबी कैंपेन चालू हो गया है। यह अभियान 'विश्व क्षय रोग दिवस' से शुरू किया गया है। इसका मुख्य लक्ष्य जिले के दूरस्थ और उच्च जोखिम वाले क्षेत्रों में छिपे हुए टीबी मरीजों की पहचान कर उन्हें उपचार के दायरे में लाना है। अभियान के तहत चिन्हांकित उच्च जोखिम वाले ग्रामों में स्वास्थ्य विभाग की टीमें पहुँच रही हैं, जहाँ संदिग्ध मरीजों की निःशुल्क एक्स-रे जांच की जा रही है। स्वास्थ्य कार्यकर्ता और मितानिनें घर-घर जाकर लोगों में टीबी के लक्षणों (जैसे दो हफ्ते से ज्यादा खांसी, वजन कम होना, रात में पसीना आना, शरीर मे कही भी गठान आदि) की पहचान कर रहे हैं। चिन्हित ग्रामों में ही मोबाइल यूनिट्स के माध्यम से जांच की व्यवस्था की गई है ताकि ग्रामीणों को जिला अस्पताल या दूर के केंद्रों तक न भटकना पड़े।

अपील–कलेक्टर डॉ संजय कन्नौजे ने स्वास्थ्य विभाग को निर्देशित किया है कि इस 100 दिवसीय कार्यक्रम के दौरान कोई भी संभावित मरीज छूटना नहीं चाहिए। वहीं डॉ निराला ने जनता से अपील की है कि ?÷टीबी एक पूरी तरह से साध्य बीमारी है। यदि किसी को भी लंबे समय से खांसी या कमजोरी की शिकायत है, तो वे बिना डरे कैंप में आकर अपनी जांच कराएं। सही समय पर पहचान ही इस बीमारी से बचाव का सबसे कारगर तरीका है।÷ ?सामाजिक प्रभाव ?इस अभियान से न केवल मरीजों की पहचान होगी, बल्कि समाज में टीबी को लेकर व्याप्त भ्रांतियां भी दूर होंगी। शासन द्वारा टीबी मरीजों को इलाज के दौरान पोषण आहार हेतु निक्षय पोषण योजना के तहत आर्थिक सहायता भी प्रदान की जा रही है।

आयोजित होने वाली शिविर- निक्षय निरामय 100 दिवसीय अभियान के तहत उच्च जोखिम ग्रामों हेतु एक्सरे जांच की जाएगी, जिसमें 30 मार्च को पवनी, अप्रैल माह में 01 को गोविन्दबन (बिलाईगढ़) 02 को धनसीर, 03 को सेमराडीह, 04 को सरिया, 06 को कोकबहाल , 07 को बरमकेला, 08 को बाहालीडीह, 09 को बोन्दा, 10 को लुकापारा,11 को गोडिहारी, 13 को रेडा, 15 को गोड़म, 16 को हिर्री, 17 को झरपडीह, 18 को कोतरी, 20 को महकमपुर में शिविर का आयोजन निर्धारित है।

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक आशिष कुमार कंठले द्वारा कलयुग का भारत द्वारा अग्रदूत कॉम्प्लेक्स, रजबंधा मैदान, भाजपा कार्यालय के पास, रायपुर, जिला-रायपुर (छ.ग.)-492001 से मुद्रित एवं वार्ड नंबर 18 बाजार पारा बेमेतरा पोस्ट व जिला बेमेतरा छ.ग. पिन कोड 491335 से प्रकाशित । संपादक आशिष कुमार कंठले समाचार चयन के लिए पी.आर.बी. एक्ट के तहत जिम्मेदार मो. नं. 7999238079, 7828658259, समस्त विवादों का निपटारा बेमेतरा न्यायालय होगा।